Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

Swamiji Letters
File - 8

CLEAR BAG

INFINITY®
INF-MC903F

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

दरबे बदली। अब हमीरपुर से मण्डी
को हो गई है। मैंने यहां आने को इन्कार
भी किया परन्तु आप की आज्ञा यहां
भेजने की थी। यहां मकान तुरन्त
काफी खुला सरकारी मिल गया है।
इस लिए प्रार्थना है कि मेरे अवगुणों
को क्षमा करते हुए मण्डी पधारने की
कृपा करें। मैं मंगवाई मुहल्ला में दफ्तर के
पास ही रहता हूं। [illegible]

पोस्ट कार्ड
POST CARD
केवल पता
ADDRESS ONLY

श्रीमान जी निरंजन जी
C/o [illegible] Bakshi
Personal Officer
Hindustan [illegible]
East [illegible]
Delhi
DELHI-14.

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

अनन्त श्री विभूषित मण्डी
3.9.67
आशुतोष तथा पशुपति जी

श्रीमेन भस्मासुर का साष्टांग प्रणाम स्वीकार करें। इस के पूर्व भी एक पत्र श्री गोविन्द जी द्वारा आप की सेवा में प्रेषित कर चुका हूं आशा है मिल गया होगा। आप की कृपा से मेरा पागलपन अब कुछ २ ठीक होने लगा है लेकिन कभी २ दौरा सा हो जाता है. मेरी इच्छा पर कटाक्ष करते हुए और अभी विरद "आशुतोष" को सार्थक करने के लिए उत्तम क्षमा प्रदान करें

दीन दयालि विरद सम्भारी,
हरहु नाथ मम संकट भारी।

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

बम्बई:-६८
ता:-१५-६-६२

पुज्य स्वामी जी,

सादर प्रणाम,

आपका पत्र मिला जिससे पत्ता चला कि आप अस्वस्थ है। क्या कारणा हैं? आप अपना हाल लिखियेगा। जयपाल १ तारीख को अफ्रीका चला गया है। आपको हम 30) मनीआर्डर कराके भेज रहे हैं। और किसी चीज जरूरत है तो लिखियेगा।

आपका पत्र हमनें जिद्दो को दिखा दिया था। मेरा ख्याल है वह भी आपको कुछ भेज हीं देगें।

सतपाल के यहां लड़का और राजपाल के यहां लड़की हुई है

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

आप अपनी तबीयत ~~[illegible]~~ का
पत्ता जल्दी दिजियेगा।
यहाँ सब ठीक है।
आपको याद करते
हैं।

— आपकी
विद्यावती

~~Chatta~~
Chaburja
P.O. Bharatpur
(Rajasthan)

Shree Swami ji
C/o Sh. Govind Mishra
Raj Pandit
~~C/o V. D. Bakshi~~
~~क्वा. नं. 331~~
~~हिन्दुस्तान हाउसिंग फैक्टरी~~
~~जंगपुरा भोगल~~
~~दिल्ली-14.~~

श्रीहरिः आगरा. 23.

आराध्य-चरण

पूज्य "श्री" महाराज

चरणकमलों में बार बार प्रणाम्। आशा
था कि आप देहली में पूज्य मिश्रा जी का भरतपुर से पत्र आया
ही है। आशा करता हूं कि आप प्रभु
कृपा से स्वस्थ होंगे।

निवेदन यह है कि मेरा विचार इन दिनों
विज्ञान भैरव, शिवसूत्र एवम् आचार्य अभिनवगुप्त के ग्रन्थ
पढ़ने का करता रहता है। मिश्रा जी ने लिखा था कि आपका
"विज्ञान भैरव" उनके पास है। परन्तु आपकी आज्ञा के बिना वह
दे नहीं सकते। यदि आप उचित समझें तो उनको लिखें। नहीं तो
लिखें कि यह ग्रन्थ कहां से मिल सकेगा। अभिनव गुप्त के ग्रन्थ कहां
से मिलते हैं और मैं कौन सा ग्रन्थ उनका पढ़ूं। शिवसूत्र पर

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi
Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

[illegible]

15 भारत INDIA

सेवा में

श्री "श्री" की महाराज

C/o. श्री सीताराम जी

B-66. मोती बाग साउथ नम्बर 2

NEW DELHI

पिन PIN न्यू-देहली

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

श्रीमान्. पूज्य स्वामी लक्ष्मणजी के श्री चरणों में

दीपावली
15-11-51

प्रातः स्मरणीय गुरुदेव का आज
शरणागत हूँ. मैं भी आचार्य श्री का प्रताप
गुरुदेव आपकी कृपा से मैं भी के प्रार्थना
प्राण भगवान विश्वनाथ सोमनाथ जी
में मग्न सर्वांग शरीर से प्रणाम: श्री
गुरुणां विराज उपदेश श्री चरण का प्रेम से
दर्शन किये और प्रार्थना द्वारा ध्यान की
निवेदन में भी नहीं का योगाभ्यास
प्राप्त हुआ और ज्ञान गा. जी

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

દેસાઈ ભગવાનજી

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

पोस्ट कार्ड

केवल पता

नाम श्री साधु पं. गोविंद जी

पता मिठ जी

डाकखाना चौक जी

जिला भरतपुर

राजस्थान

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

१४-८-५८

श्री पूज्यपाद गुरुचरणेभ्यो नमः

आपका कृपा पत्र प्राप्त हुआ
बेशक उसमे नामादिका कुछ
भी संकेत नहीं था केवल अनुमानके
आधार पर ही जानकारी थी आज श्री गोविन्दजी
का भी पत्र आया है उन्होंने लिखा है कि
आप श्रावण शुक्ला प्रतिपदा को वृन्दावन
जाने का विचार ~~है~~ है. इससे लौटती
डाकसे पत्र दिया जी ने श्री चरणों का वैसे तो
पता नहीं देखी होंगे तो निचे लिखे पते पर
श्री बांके लाल जी राजकुमार जी गुप्त
रनजीत प्रेस के पास पर सो मैंने आज
ही उनको बाबत ही पत्र दे दिया है कि मैं
श्री-चरणों को साथ लेकर वृन्दावन श्री पूज्य पद

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

पोस्टकार्ड
जवाबी
केवल पता

श्री पूज्यपाद श्री [illegible] जी
C/o श्री बांके लाल जी राज कुमार जी
रणजीत प्रेस ४२ बुद्धमार्ग
सामने
मु॰ देहली नजदीक [illegible]

आपका पत्र पढ़ने [illegible] सिद्ध जी वृन्दावन पहुंचेंगे
गा अतः आपसे विनम्र प्रार्थना है कि
मेरे साथ अपने दो प्रेमी भी होंगे मैंने यह
विचार किया है इस शनिवार आपके पास ५ बजे
के लगभग दर्शनार्थ पहुंचेंगे और आपसे
पुनः पुनः निवेदन है कि आप तैयारी रखें
ताकी आपके चरणों की सान्निध्य में ५-६
दिन वृन्दावन में बितें मैं यह पत्र आज श्री
गोविन्द जी को लिख रहा हूं मेरा अहोभाग्य है
आपने अकिंचन को याद किये हैं अतः

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi
Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

इहा / लैप नेवत
परीक्षा क्लोले डापे
नवतां मणागीलेव
आश्रय स्थितौ ऽस्य
अतः / किं करिष्यति
अनुमाया जाल प्रभाव:
प्रभाव भालस्या नमः
भवतां स्व: ... /

POST CARD

ADDRESS ONLY

Bhartpur
Stat

चौबुर्जी बाजार
स्टेट, भरतपुर U.P.
पं० गोविन्द जी मिश्र
Bharat ...

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi
Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

ॐ

२२।८ सूक्तं चतुर्थी

श्रीमतां श्रद्धेयानां चरणे
ष्विनम्र भक्तिकाऽयं ध्रुवमेवलो
भवति। समागतानां गुरुचर-
णानां पुनर्विनैव दर्शनं भव-
विलिवत्तानां मायाजाले-
ऽस्मिन् विनिवद्धयातानां किंकाल
मस्मिन्, इति न ज्ञायते। तथा
ऽपि भवन्नु स्वल्पऽस्यप्रभा
वः साधारणेषु परिजनेषु
ऽप्यत्र परित्यक्तसर्वस्वो निजा
नन्दे निमग्नो देव ब्रह्मत विश्वा
सोऽस्ति। अतः स्वदेहेऽपि आनन्द
परिवारः। अब अवदेना या

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

ॐ श्री: क्वाटर नं. 867
ता: 8.12.76 सैक्टर 3
आर के. पुरम
नई दिल्ली 22

प्रात: स्मरणीय एवं परम श्रद्धेय श्रीमान गुरुदेव महाराज सादर वन्दे

सेवा में निवेदन है कि अग्रवाल दयालु से कल रात्रि को श्री सीता रामजी के द्वारा सूचना मिली कि आप दिल्ली कृपा हेतु पधारे हैं। मैं आप के दर्शनों के लिये आज प्रात: श्री सीता रामजी के यहां पहुंचा तो पता मिला कि आप कल रात्रि को ही जयपुर के लिये प्रस्थान कर गये। मेरी आप के दर्शन करने की बड़ी इच्छा थी समय के कारण पूरी नहीं हुई। मैंने आपके पास एक मास पूर्व दो पत्र डाले थे एक जयपुर तथा तथा एक भरत पुर परन्तु ऐसा लगता है आप तक नहीं पहुंच सके। मेरा प्रयोजन सरकार के लिये

दिल्ली कब लौटोगे। क्या आप अपने दर्शनों से कब कृतार्थ करेंगे।

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

इन्टरवियु ३ नवम्बर को आपके आशीर्वाद से ठीक हुआ था। जो कुछ है या होता है आपकी कृपा और आशीर्वाद से है और आपके पावन चरण कृपा की ही एक मात्र सहारा है। अभी इसके परिणाम का पता नहीं चला। इस महीने आशा है। ब्रह्मदत्त जी ने इलाहाबाद से पत्र डाला था कि श्री महाराज का पता बता दो। उन्होंने आपका [illegible] है कि श्री महाराज कुम्भ पर इलाहाबाद पधारे। मैं उनको आपका अपने पूर्ण का पता भेज रहा हूँ।

[illegible]

पोस्ट कार्ड
POST CARD

केवल पता
ADDRESS ONLY

भारत 15 p. INDIA 15 p.

सेवा में

श्रीमान्
महामहिम श्री श्री महाराज जी
C/o पं. दुर्गा दत्त शर्मा
Shri Pandit Durga Datt Sharma
A/72 अमृत पथ
Amrit Path
JANTA COLONY
पिन PIN
JAIPUR
(Rajasthan)

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

ओ३म्

सैक्टर 3
857, आर.के.पुरम
नई दिल्ली

दि: 3.11.76

परम पूजनीय एवं प्रातः स्मरणीय श्रीमान
गुरुदेव महाराज,
सादर चरण वन्दे।

निवेदन है कि आपकी असीम कृपा से यहाँ पर सब कुशलपूर्वक हैं। आशा है प्रभु की कृपा से आपका स्वास्थ्य ठीक प्रकार होगा। मेरा इन्टरव्यू मौजाम्बिक के लिये 2 नवम्बर के बजाय 3 नवम्बर को 9 बजे प्रातः हुआ। आपके आशीर्वाद से इन्टरव्यू ठीक हुआ है। मौजाम्बिक प्रतिनिधिमंडल के एक सदस्य ने बताया कि जिनको हम चुनेंगे, जल्दी बुलायेंगे शायद एक या दो महीने का समय दें। शेष और कुछ

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

नहीं बताया। प्रभु की चरणों की
कृपा से अपनी तरफ से ठीक करदिया
है। अभी चुनाव के निर्णय के बाद
से कुछ पता नहीं लगा। जैसे ही पता
लगेगा आपको अवगत कराऊंगा। आप
भरत पुर कब तक विराजेंगे। श्रीमान
गोविन्द जी को सादर प्रणाम
बच्चों व मेरी बार 2 चरण वंदना

[illegible]
आपका [illegible] अनुरागी
इच्छा सिंह

A-72 जनता कालोनी
जयपुर

Redirect

PIN

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

[illegible] रोचः · बिहार घाट
सुदी ३ पौष

श्री मान् पं॰ गोविन्दजी !

प्रणाम

कुशल ते कुशल है मैं स्वामी जी के साथ ही ऋषिकेश छोड़ा तथा स्वामी जी के आज्ञानुसार गाज़ियाबाद उतर गया। वहाँ से दो दिन सोलन वाले ज्योतिषी जी के परिचित एक महात्मा के स्थान पर रुका वहाँ से गढ़मुक्तेश्वर होकर स्वामी जी के बताये हुये स्थान राज घाट नरौरा आया। यहाँ पर एक बड़े ही योग्य तथा विद्वान स्वामी जी के शरण में हूँ ऐसे महात्मा का साथ मेरे पूर्व जन्म के पुण्यों का तथा माँ गंगे की कृपा है ~~[illegible]~~ चित्त भी ~~[illegible]~~ इनके दर्शन से शान्त है स्वास्थ्य भी अच्छा है। स्वामी जी भी आप के समक्ष आ गये होंगे, उनको मेरा "नमो नारायण" स्वीकृत हो। श्री मान को ही आशीर्वाद का परफल है। वे अपना पता आपके पते को बतला गये ऋषिकेश में कतिपय दिवस तक आपके पत्र की प्रतीक्षा की गई। मैं आपके बतलाये हुये तथा स्वामी जी के आज्ञानुसार पुर्णिमा के मुहूर्त की अनुष्ठान के लिये प्रतीक्षा कर रहा हूँ मैं ऋषिकेश से

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi
Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

साथ आप के पास ही आता किन्तु पता
आप का ठीक न होने से स्वामी जी ने कहा
कि पहले पत्र द्वारा पता ठीक कर लो त
व जाओ। मैं भी इधर उधर घूम कर मथु
रा के ही समीप रहूँगा। इस एक उन्हीं
के पास पत्र भेज रहा हूँ पत्रोत्तर शीघ्र ही
दीजियेगा। स्वामी जी का भी पता लि
ख देना। विशेष श्री भगवान की दया है।
मेरा पता यह है।
वागीश्वर मिश्र
शास्त्री
द्वारा बिहार घाट दुधरज
का बगीचा। रामस्वरूप ब्रह्मचारी जी
पोस्ट - राजघाट नरौरा
जिला - बुलन्द शहर

शुभेच्छु।
आपका
वागीश्वर मिश्र

POST CARD

ADDRESS ONLY

½A INDIA POSTAGE ½A

सेवा में
श्री मान पं॰ गोविन्द मिश्र जी
मु॰ पो॰ चौबजा भरतपुर
भरतपुर

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

श्री-पं. गोविन्द वल्लभजी जोशी.
[illegible] कवि कैसे पं. हरप्रसाद.
व्याकरण - चाल. नूतन वे
हैरत वैराग्य - गागा नन्द
भी हैरत कहा आगे
पद्य रचना तत्नीव विवाह
विधी कानूनवली 4 दूसरा
छी - 4 पार्वती का है सो
आप शुद्ध भेद है पधारे
नाम टीकाकार के भी
नाता - चौबीसी - निर्णय
भी जोशी लाना वेदोपदेश
आप है हिंद लाल और
[illegible] है

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

पंडितजी [illegible] आप
श्रीमान [illegible] साहिब [illegible]
[illegible] है
आप उनको [illegible]
आप [illegible] हो
[illegible]
[illegible]

POST CARD
ADDRESS ONLY

INDIA POSTAGE

[illegible]

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

ओं — देहली

श्रीमान पूज्य स्वामी जी, 2.1.63.

सादर प्रणाम।

आपको नये साल की बधाई दी जाती है। मेरे पास बहरामपुर ([illegible]) से राज कुमार जी लाला जी का पत्र आया है उन्हों ने आप से मिलने के लिये कहा है। आप ने उन्हों को एक लड़का जो कि पशुओं के डाक्टर हैं बताया होगा। उन्हों ने इस काम के लिये मेरी ड्यूटी लगाई है। पं: कुलवन्त राय जी मेरे साढू थे।

इस लिये मैं रविवार 6.1.63 को लगभग 11-12 बजे आप की सेवा में हाजिर हूंगा। आशा है आप जरूर मिलेंगे। बाकी बातें मिलने पर होंगी।

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

पत्रोत्तर शीघ्र देने
की कृपा करें।

आपका दास
साधुराम शर्मा

LOCAL

पोस्ट कार्ड
POST CARD
जवाबी
REPLY
केवल पता
ADDRESS ONLY

To

Sh. Swami ji C/o,
Sh. V. D. Bakshi.
Hindostan Housing
Factory. Q. No. 33-A
Jang Pura
New Delhi -14.

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

ॐ ज्वालामुखी

४-३-६८.

श्रीमत्मान्नीय पूज्यपाद
पंडित जी सादर चरण बन्दना
स्वीकार करें। प्रामत्र तत्काल
आगे निवेदन है कि आप पता
देवें कि श्री पूज्य आचार्य चरण
जी आज कल कहां हैं? और
इधर पंजाब आदि में आने का भी
कोई कार्यक्रम है या नहीं?
इस वर्ष इधर वर्षा काफी हुई
है यदि आजकल श्री आचार्य
चरण जी भारत में ही हों तो
मेरा सादर चरण बन्दना कहें।
घर में मामाजी बड़ी माता जी को
प्रणाम कहें। कोई नया

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

समाचार देता लिखें।

दास, —

नन्दकिशोर वै.

ज्वालामखी

पोस्ट कार्ड
POST CARD

केवल पता
ADDRESS ONLY

INDIA भारत 6 nP ६ न.पै.

श्री पं. गोविन्द मिश्रजी

चौबेजी

भरतपुर

(राजस्थान)

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

ओं हरिः वृन्दावन 9-11-67

श्रीयुत वि. डि. बक्सी जी को
नारायण स्मरण, आनंद से हमारे
राम आये थे 15 दिन से यहीं हूँ
10 - दिसम्बर तक रहूँगा ।

श्री श्री श्री अमृत वाग्भवाचार्य
जी आजकल कहाँ हैं, और उनका पता
आपको विदेंगे तो, एक बार जाकर
दर्शन करूँगा । 18 सेप्टेम्बर महीने
में आपके यहाँ उनके दर्शन हुआ था,
यही उत्कंठा है उनसे मिलने को
उन्होंने एक पुस्तक की बारे में बताये थे
सो मिल गई, आपके पास भेज दूंगा,
उन्हें पहुँचा दीजियेगा ।

स्वामी अवधूतेन्द्र [illegible]

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

मेरा पता

स्वामी अवधूतेन्द्र सरस्वति,

संकीर्तन भवन

वृन्दावन

जिला = मथुरा

ओं हरि

श्री आचार्य जी के लिये

कीर्तनानि, पुस्तक ये तरह

उन्हें आप दे दीजियेगा।

पोस्ट कार्ड
POST CARD
जवाबी
REPLY
केवल पता
ADDRESS ONLY

Sriyut

N. D. Bakxi ji

House no 38A Hindushan ~~Housing~~ Factory

Jangpura

NEW·DELHI-14

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

ॐ 5-2-364, Hyker Basti
Secunderabad . 3. 23-1-68

परम पूज्य ब्रह्मनिष्ठ महामहिम
आचार्य श्री अमृत वाग्भव महाराज
की पवित्र सेवामें

अत्र शम्, तत्रापि यात्चे शिवम्।

मेरे पूज्य मातुश्री पोषसुद द्वादशी को प्रातः सवा पांच बजे वैकुंठवासी हुए है। आपके पाद रज से हमारे मकानकी भूमि पवित्र हुई थी और आपके दर्शन हो चूके थे। इसलिये उनका कल्याण अवश्यंभावी है।

हाल ईधर मुक्तानंद स्वामीजी आये हुए हैं और रोज सत्संग

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Swami Amrit Vaghbav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

चलता है। मेरे राम छडी की वजासे
बहार नहीं जा सकता है।. श्री
मुक्तानंदजी, श्री वज्रेश्वरी वाले
श्री नित्यानंद जी के शिष्य हैं।.

वहां सत्संग मंडली को
प्रणाम.

श्री
चरण रज सेवक
महिपत दवे.

पोस्ट कार्ड
POST CARD
संलग्न कार्ड जवाब के लिए
THE ANNEXED CARD IS INTENDED FOR THE ANSWER
केवल पता
ADDRESS ONLY
INDIA भारत 6 nP

24 JAN 1968 SECUNDERABAD
JANGPURA NEW DELHI

पूज्य
महामहिम
आचार्य श्री अमृत वाग्भव महाराज
C/o. Sri V.D. Baxi P.A.
Hindustan Housing Factory
P.O. Jangpura
Bhogal
New Delhi-14

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

ओं हरि: 15-2-68

सिकंदराबाद

श्री श्री श्री आचार्य जी के अवधूतेन्द्र सरस्वति का ओं नमो नारायण। आपके सेवामें एक पत्र कल भेजाथा रातमें पाण्डाल जी आयेथे, अभी परशुराम स्तोत्र नहीं बनाये १५ दिनमें तय्यार करके दिल्ली भेजूंगा कहेथ। मेरे पास तेलुगु में अपनोंने का परशुरामस्तोत्र नहीं है। कृपया एक प्रति भिजवादीजियेगा 16 से २२ तक डोर्नकल में चालीसाके उत्सवमें रहूँगा। बादमें तेनालि जाऊँगा तबतक परशुराम स्तोत्र वहाँ पहुँच जायगी।

आपने बबूलकी फलीकी चूर्ण बनाके खानेको बताये थे उसमें मिलाने वाली जो चीजें बताये थे, लिखा हुआ कागज नहीं मिला। कृपया क्या क्या वस्तु मिलाके खाना चाहिये भेजने की कृपा करेंगे।

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

यहाँ के सब लोग आप के श्री
चरणों मे प्रणाम कहे है ।

आप का
अवधूत सरस्वति

c/o टैलर सत्य
डोर्नकल - S.C. Rly
(जिला) (खम्मम) (A.P)
Tailor Satyam
Dornakal - S.C. Rly
(Distt) Khammam.
A.P.

पोस्ट कार्ड
POST CARD

केवल पता
ADDRESS ONLY

...NAKAL

श्री आचार्य श्री
c/o
राजकुमार अग्रवाल
G. 5-39
श्रीनिवासपुरि
नई दिल्ली-१४
NEW DELHI-14

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

पोस्ट कार्ड
POST CARD
साथ का कार्ड जवाब के लिए
THE ANNEXED CARD IS INTENDED FOR THE ANSWER
केवल पता
ADDRESS ONLY

INDIA 6 nP भारत ६ न.पै.

Pujya
Sri Amrutvagbhavjimaharaj
c/o. Sri V. D. Bakshi,
Hindustan Housing Factory Qrs.
P.O. Jangpura, Bhogal
New Delhi - 14.

इन्दौर से लेख दिया उनका लिखा। आप
कल उन्हें भी दिल्ली में हैं और ता. २९-
२-६-८ तक यहां ठहरेंगे। उनका पता:-
c/o. कैप्टन रामप्रताप, ३१, मौर्य अस्टेट
नई दिल्ली। है।
कृपया भी जानती भाई, इनसे मिल सकते
भी ज्येष्ठ नाम सबको प्रणाम.
ओ.
५-२-६५ चरणरज सेवक
इन्द्रवती [illegible] सहित.

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

ॐ

परम पूज्य श्री महामहिम अमृत वाग्भवजी
महाराज के चरण कमलों में.

आपका कृपापत्र मिला।. आपने हमारे तरफ और जो सद्भावना व्यक्त की है उस बदल हम आपके अत्यंत ऋणी है।.

भेजी हुई किताबे श्री बालकृष्णजी को मिलि है और उन्होने वे सब श्री अवधूतेन्दु सरस्वती स्वामीको दे दिया है। श्री अवधूतेन्दु स्वामीजी नाम सप्ताह के निमित्त ता. ८ को हैद्राबाद आये हैं और ता. १५ तक ठहरेंगे। बाद दोनकिल जायेंगे और वहां आठरोज का हनुमान-चालिसा का कार्यक्रम है. हाल का पता C/o. Smt. Rani J. Lalitha Devi 11-4-169, Near Cancer Hospital, Durga Niwas, Bazar Ghat, Hyderabad. हम कल मिलने को गये थे।.

श्री कान्ती भाई का हाथ अभी पूरा सीधा नहीं होता है और थोडा दरद भी है।. इलेक्ट्रीक ट्रीटमेन्ट और हाथ की कुछ कसरतें ले रहे है।.

श्री मुक्तानंद बाबा का सत्संग का लाभ

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri
Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

वावडींग और खूबकला ८ : १ के
प्रमाण में लेता हुं। गरम मालुम
होता है। दही की साथ लेता हुं।
कृपया जवाब देना।

ली०
चरणरज सेवक
मफतलाल दवे

श्री श्री "
Sri Amrut Vagbhav maharaj
Bhavanishankar Trivedi
C/o. ~~Sri V. D. Basu~~
B. 306 South moti bag
~~Hindustan Housing Factory~~
P.O. ~~Jungpura~~
~~Bhogal~~
New Delhi - ~~14~~ 23.

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

ॐ श्री ॥ सीकंदराबाद ता. १४ ४/६८

परम पूज्य ब्रह्मनिष्ठ श्री अमृतवाग्भव महाराज की पवित्र सेवामें।

आपका ता. २२ ३/६८ का पत्र मिला। प्रत्युत्तर देने में देरी हुई है- क्षमा चाहता हूँ।

शायद आपको विदित होगा कि श्री तेनालीमें श्री अवधूतेन्द्र स्वामीजी बहुत बिमार होगये हैं। हार्ट-एटेक हुआ है। परिस्थिति बहुत गंभीर है। पता:—
C/O Sādhnā Granth mandali
Tenali
S.C. Rly.

आपका फरमाया महामृत्युंजय जप संपूटके साथ करता हूँ। संपूट मंत्र ॐ हौं जूं सः का अर्थ मालूम नहीं है। आप कृपया प्रकाश डालेंगे। कृपा होगी। आखिर में उलटकर क्यों लिखा है? जैसा की सः जूं हौं ॐ?

उष्ण ऋतु होने से मेरा स्वास्थ्य ठीक रहता है। काम चलता है।

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

Mahipatram M. Dave

5-2-364, Hyter Basti

Secunderabad

(Andhra Pradesh)

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

आपका सेवक:

Hans Raj

पोस्ट कार्ड

श्री स्वामी जी महाराज

C/o ईसराज वोहरा (बोरावड़

रामगली

गुरद्वारा आलूवालियां

पो. पटियाला

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi
Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

२०-१२-६३

श्री श्री श्री

श्री पूज्य चरणोमें कोटिशः

अकिंचन वैष्णव-पावन को प्रणाम

पत्र मिला समाचार जाना अहोभाग्यकी बात है कि आपके पत्रद्वारा कृतार्थ किया मैं शामिवार श्यामको अथवा इतवार शुभ अवश्य दर्शनार्थ आऊँगा अतः आप कृपया कहें शीघ्र चल पड़े अतः अकिंचन को दर्शन देकर ही कृतार्थ करें तबतक यानि इतवार तक श्यामतक मैं अवश्य पहुँच जाऊँगा

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

पोस्ट कार्ड POST CARD

जवाबी REPLY

केवल पता ADDRESS ONLY

INDIA भारत 6 nP

BHARATPUR

श्री Raj Pandit Shri Gobind Missra जी

Chou Burji

Bharatpur

(Rajasthan)

خیریت تھا نیز آپ نے بھی یا ٹھیک و ٹھکر کے جی جی کہ

دیا ہے ۔ بعد میں ہمارا سب بارات تمام ہو لیا ہے ۔

لیکن افسوس اِس بات کا ہے کہ رودر دیو پانڈے ۔ میرے پانڈے

زنی بھائی سب مہاراجی کے ہمدردی ہیں ۔ یہ بھی نہایت تھے ۔

انھا کی روحی جب ہو گا ۔ دیکھ لیا جب کا ۔ کرنا آپ سعدیان

لکھوں گا کہ پارے ہیں ہمارا عاشی ہو کی لید ہو لیا

گوبند جی ۔ بدلگوجی کو میرا پتہ نام ہے گوسوامی جی ۔ پانڈے مدن لال

سائیدت

مخلص جے شنکر

14/3/64.

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

شری

شری گورو چرنن ہو۔ شری گورو مہاراج جی۔ جے شنکر

کل شام تو راجکمار جی سے آپ کے ورشپور جانے کا سماچار

سن کر ہوا۔ سدگوندی نے جس بجن کو یہاں بھیجا تھا وہ

بھی مالکار کے پاس پہنچ گئے ہیں

باغ رام لال جی کے متعلق آج میرا فکر گرودھن سے کیا ہوا

ہے۔ کل شام تو تھانیدار نے آکر متھرا جی کے گھر پر سب

سے بیان لیا۔ سدرام لوگی وہ جھگڑے کا کارن کیا ہے

شری پاٹھک جو کوشش کر رہے ہیں؟ انہوں نے کسی طرح آدمیوں

کے پیچھے پڑ گیا شروع کیا۔ وہ جھگڑا پانڈے جی کی

وجہ سے ہوا تو وہ نشانہ کے گواہ ہیں۔ سد

ادھو دھوکی تہمت لگائی۔ مجھ سے سہن نہ ہو سکا۔ میں نے

تھانیدار کے روبرو پاٹھک کو الٹا کہا۔ پیچھے

دشٹ کہا۔ سدا سا تھا نیچا پیت پاٹھک کے نشہ پر

گھو لگنے لگ گئی۔ بوڑھا پوسلہ تو سہن نہ کر سکا ہیں

دو سکتے لگی۔ میں بھی پاٹھک کے تھپڑ مار سکتا تھا نہ

میرا ملاکھو روپ سکا

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

उ० के — आत्मज्ञान
और भार्दण्ड निर्माण श्री
एवं और वाटिका । कि
कर्तृपुरुषों के निर्मर्व
हो, प्राकृत का बिल्कुल
प्रयत न हो ।
अपना कुशल पत्र
लिखियेगा । परमेश्वर
सदा आप पर
रहेंगे कृपा:

पोस्ट कार्ड
POST CARD
साथ का कार्ड जवाब के लिए
THE ANNEXED CARD IS INTENDED FOR THE ANSWER
केवल पता
ADDRESS ONLY

POSTAGE 5 nP INDIA ५ नपै

DALHOU

श्री अमृतवाग्भवाचार्य जी
c/o मिश्र गोविन्द शर्मा
चौबुर्जी
भरतपुर
Bharatpur

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

८/१२

ॐ

पूज्यपाद, प्रणाम!

श्री बालजी के पता भेजने पर पुनः केन्द्र को पत्र लिखा था। शून्यालय में गया वह भी। चित्त व्याकुल रहित तो नहीं, पर दो उत्तर आएँ भी हैं

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

मा ठी भा। श्री सं कान्ति पञ्चदशी श्रीमदभतस्तोत्र
प्रश्नाशिका श्री स्वाध्याय मन्दिर स्तोत्र देख
ने की हृदय में बड़ी लालसा है श्री भगवती की
कृपा होगी तो दर्शन होगा। आशा है आप कृपा
बनाये रखेंगे। श्री कृष्ण जी के चरणों में हमारा
अत्याधिक विनम्र निवेदन करेंगे।

प्रार्थी बद्रीदत्त शर्मा श्री चामुण्डा केपीघर
पो- डा० धामानगरोटा बगवां जि. कांगड़ा

पोस्ट कार्ड
POST CARD
साथ का कार्ड जवाब के लिए
THE ANNEXED CARD IS INTENDED FOR THE ANSWER
केवल पता
ADDRESS ONLY

POSTAGE INDIA 5 nP ५ नये

27 OCT 61 8 30 AM

श्री मिश्र गोविन्द जी
चौबुर्जा भरतपुर
राजस्थान

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

ॐ

२४-१०-६१

श्री आकराडा गोसीयार

श्रीमत्सु, मित्रवरयेषु प्रणतयो भवन्तुतराम्
श्रीमान् जी का १६ तारीख का लिखा कृपापत्र
प्राप्त हुआ था। मैं घर से दूर हास्पिटल में
एक फोड़े की पीड़ा से दुःखी होकर पड़ा हूं।
उसका आपरेशन हो चुका है उसमें रोज दर्द हो
ती है और पैन्सलीन के इंजक्शन होते हैं सं
भवतः कोई आठ दिन तक इधर रुकना पड़ेगा
परन्तु पत्र आये बिना व्यग्र हुआ और आवश्यक
है अतः यहां बैठकर श्रीमान् जी की सेवा में
यह लिख रहा हूं।

“श्री परमपू. जी” को आपने मेरे पत्र की खब
र भेजी है यह पढ़कर हृदय में अधिक आल्हाद आ
या है। यदि “श्रीजी” की कोई सूचना आई या स्वयं
पधारे हों तो उनके कुशलामृत से हमें अवश्य सिंचित
करना यदि कदाचित उनकी परमकृपा हलचल होगी
तो यह जन कृतार्थ होगा।

“श्री परमपूज्य नीय जी” के श्री श्री विद्यानिका शा
स्त्र एवं श्रीकलानुभव शक्तिसार: दोनों ग्रंथ आप
से प्राप्त पाये और व्यवसायतया वाचन से कृतार्थ
और [illegible]

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

ॐ

ज्वालामुखी
५ श्रावण १९९२.

श्रीयुत प्रिय पं. नित्यानन्दजी
सादर प्रणाम,

आपका कई दिनसे कृपाल-
समाचार नहीं आया सो अपना
हालचाल लिखें। पता भेजें कि
आजकल श्री परमपूज्य आचार्य
जी कहांपर हैं। यदि देहलीमें ही हों
तो भी पता भेजें और मेरी ओर से सादर
चरणवन्दना कहें। धर्मपत्नीजीको
प्रणाम – बच्चोंको प्यार।
आपका:–
नन्दकिशोर वैद्य ज्वालामुखी.

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

पोस्ट कार्ड
POST CARD

22

केवल पता
ADDRESS ONLY

श्री पं. नित्यानंद दत्त जी
जी ५४१, श्रीनिवासपुरी
नई देहली 14.

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

सत्कार किया। कल हम
श्री गायत्री जी के दर्शनों
किये, और वहां से बस
द्वारा यहां ३।०२ [illegible]
आगये। आज यहां से
चलकर कल प्रातः महा
काल के [illegible] आरती
के दर्शन के बाद हम चले
कर शाजापुर जाने का
विचार है, वहां [illegible]
आगया, [illegible] [illegible]
होते हुए दिल्ली श्री चरणों
में पहुँचेंगे। २।७३ [illegible]।

जवाबी
REPLY

पूज्यपाद श्री १००८ श्री
महाराज जी
द्वारा श्री सीताराम जी
बी ६६ लाडले मोतीबाग
मोतीबाग नई दिल्ली
पिन PIN ११००२१

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi
Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

ॐ कालूहेड़ा राजमहल

श्री श्री १०८ पूज्यपाद महाराज जी के चरण कमलों में हमारा दंडवत स्वीकार हो। हम लोग बालगोपाल, श्री काशी विश्वनाथ के दर्शन करने के पश्चात कलकत्ता में श्री ठाकुर जी (रामकृष्ण) के दक्षिणेश्वर, काली मां, विवेकानन्द जी के बैलूर मठ के दर्शन पुरी में जगन्नाथ के दर्शन तत्पश्चात, मद्रास से मदुरै में मीनाक्षी मन्दिर (भगवती) के दर्शन कन्याकुमारी में विवेकानन्द रॉक और भगवती कन्याकुमारी के दर्शन करते बंगलोर से बम्बई होते हुए, शिर्डी में श्री साईबाबा की समाधि मन्दिर के दर्शन के बाद इन्दौर होते हुए उज्जैन श्री क्षिप्रा स्नान के बाद श्री महाकाल की सान्ध्य आरती के दर्शन किये। कल रात्री जन्म अष्टमी को कालूहेड़ा आये। यहाँ के श्री रावराजा साहब ने और राज परिवार के लोगों ने

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

POST CARD

ADDRESS ONLY

Mr Jai Ram Jee
C/o
M/s K. D. Jagdish
+ Company.
Chemist + Druggist
near Fountain
Delhi.

231

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

Gorakhpur

اوم

26.3/49

پوجنیہ شری سوامی جی ۔

سادر جے شری کرشن ۔ منی آرڈر خط کل مل گیا تھا ۔ آشا ہے

کہ وہ خط بھی مل گیا ہوگا ۔ باقی خیریت ہے ۔ آپ گھر کا بندوبست

کیا ہے ۔ بچے کو ناگپور آرام ہے ۔ گھر کی کسی طرح کا فکر اندیشہ نہ

کریں ۔ اور کسی چیز کی ضرورت نہیں ۔ ایسی بات تھی ۔

گھر کا کوئی فکر جیتا نہ رہے ۔

آج [illegible] 3/49 کو [illegible] روانہ ہو جاؤں گا ۔ [illegible]

یہ [illegible] 28 3/49 کو [illegible] ملے گا ۔ اس کے بعد اور [illegible]

27 3/49 [illegible] ملے گا ۔ [illegible] خط میں سمجھیں ۔

پوجنیہ شری سوامی [illegible] صاحب [illegible] ۔ [illegible]

[illegible] شری کرشن ۔ [illegible]

[illegible] ۔ [illegible]

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

[illegible]

POST CARD

ADDRESS ONLY

Mr Jai Ram ji

M/s K. Jagdish

+ Company

Chemist + Druggist

near Fountain

Delhi.

231

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi
Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

Gita Press
Gorakhpur
25 3/49

اوم

شری پوجیہ [illegible] مہاراج ۔

سادر پرنام ۔ یہاں پر خیریت ہے ۔ آپ کشلتا پورک دہلی پہنچ گئے ہوں گے ۔ میں گھر سے پوجیہ ماتاجی سے عزیز کی صحت کا پتہ کیا ۔ عزیز کو دیکھا [illegible] ماتاجی نے کہا ہے کہ رات میں [illegible] آرام رہا ۔ صبح [illegible] ہے ۔ سنبھال (دوائی) دی گئی ہے ۔ اب [illegible] دی جاوے گی ۔ عزیز کو [illegible] آرام ہے ۔ کسی بات کا کوئی فکر نہ کریں ۔ اور گھر پوچھا گیا ۔ کسی چیز کی ضرورت نہیں ۔ روزانہ خط دیا جاوے گا ۔

آپ کا [illegible] سماچار [illegible] ۔ شری پوجیہ [illegible] کو سادر پرنام ۔ شری پوجیہ شری سوامی جی مہاراج کو سادر پرنام ۔

اور [illegible] میں [illegible] کہہ دیں ۔

مجھے اس [illegible] کوئی [illegible] ۔ اور سب [illegible] ہے ۔

شری [illegible] ۔

آپ کا ۔ [illegible] ۔

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

[illegible]

POST CARD

POST EARLY

CALCUTTA

ADDRESS ONLY

½A INDIA POSTAGE ½A

To,

Mr. Chotai Lal

Omkar Nath. 20 Mukta

Ram Babu street

Calcutta

स्वामी जी [illegible]

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

पूज्यनी श्री मान श्री श्री 108 श्री गुरु जी
महाराज आप के चरनो में दास का प्रना
समाचार यह है आप कि दया से
सब कुशल है एक चिट्ठी गोरखु के
हाथों में आप कि जम्मु में मिली थी
और कि आप ने हरदवार से लिखी थी
उस के बाद दो तीन चिट्ठियां आपकि
सेवा में लिखी मगर कोई उत्र नहीं
मिला बच्चों को साथ ले कर कुछ
दिनों से सेवक मुरादाबाद में आ गया
हुआ है आपकि कृपा से सब राजी खुशी
है कोई चिन्ता न करें कुछ थोड़ा सा
काम भी शुरू किया है आप के दर्शन
करने के लिये दिल बहुत उदास
रहता है कृपा करके आप अपना
पूरा पता लिखें ताकि आप के दर्शन
कर सकें श्रीमान पं० गोविन्द जी
को भी दो तीन पत्र लिखे मगर
कोई उत्र नहीं मिला आशा भी

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

POST CARD

ADDRESS ONLY

INDIA POSTAGE ½A ½A

मैंने भाभी जी का किसी से परिचय नहीं दिया
यहां कई मील एकान्त के हैं। आप मेरे सच्चे मित्र
हैं तो जिस किसी तरह से स्वामी जी को यहां
लावें। रतलाम से मन्दसौर आना पड़ता है
मन्दसौर स्टेशन पर उतरते ही सीतामऊ आने
वाली मोटर तैयार रहती है सीतामऊ से लदूना
डेढ़ मील है। स्वामी जी के लिये भी अलग
कुटीया बनादेंगे चातुर मास अच्छा बीतेगा
माता जी का पता लिखें। पत्र लौटती डाक से
दें क्या प्रोग्राम है किस टाइम पर पधारेंगे।
रतन लाल नाई का जय सीताराम
रतनलाल और मैं दोना कुटीया में रहेंगे

आपका [illegible]

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi.

॥ श्रीहरिः ॥ लडूना सीतामऊ
१३-७-४८

परम प्रिय जीवन सहाय प्रेमी मित्र महानुभाव-
कृपा कार्ड आपका ९-७-४८ का ता. १२ की शाम
को मिला, पढ़ कर दिल बड़ा ही प्रसन्न हुआ।
पूज्य श्री स्वामी जी महाराज यहां पधार सकते
हैं यह जान कर दिल बड़ा ही प्रसन्न हुआ
आप जिस किसी तरह से हो उनको यहां
भेजने की ही कोशिश करें। उनके रहने के लिये
एकान्त जगह का प्रबन्ध हो सकता है। और गाय
के शुद्ध घी और दूध का भी प्रबन्ध अच्छी
तरह हो जायगा। यह गांव खुद भी देहात है
और आस पास भी देहात है इस कारण से गाय
का घी शुद्ध मील जायगा। मैंने भी अब बैल
लेकर खेती का काम शुरू करा या है गांव से
बाहर एक मील दूर पर अपना नीजी जागीरी
का कुआ है मैंने भी यहां कुटीया बनाई है
इसी कुटीया में रहता हूं। गांव में रहना मुझे
भी पसन्द नहीं है कुवे की आबहवा अच्छी है
मुझे पूरा विश्वास है यदि स्वामी जी एक बार
यहां पधार गये तो फिर लडूना छोड़ कर
अन[illegible]

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

इत्यादि लभितादिपक्ष के ज्ञातव्य से सूचित
कर अनुगृहीत करें। मेरा मन दिल्ली से कुछ
उच्चाट हो गया है, क्योंकि शारीरिक स्वास्थ्य
विशेषत: माताजी की चिन्ता अहर्निश लगी रहती है। दिल्ली में स्थान की कमी
के कारण उन्हें यहां लाने में भी विवश हूं। अत:
शायद यह स्थान छोड़ना ही पड़ेगा। श्रीस
न्तराम जी ने शायद कुछ भी नहीं किया है
अस्तु। पूर्ण आशा और विश्वास से पत्र लि
ख रहा हूं कि आप अवश्य और शीघ्र उचि
त उत्तर देकर अनुगृहीत करेंगे। योग्य सेवा
से सूचित करें। आपका - नन्दलाल

POST CARD

ADDRESS

INDIA POSTAGE 3 PS.

INDIA POSTAGE ½A

DELHI 3 MAY 49

श्रीयुत् गोविन्द लाल जी मिश्र,
दो कुंजा बाजार,
Bharatpur
महाराजा (राज)
(भरतपुर स्टेट)

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

॥ श्री:॥ ७२, सी. लाइन
दिल्ली क्लॉथ मिल,
दिल्ली

ज्ये. कृ. ९ सं. २००

श्रीमान् माननीय पं. श्री गोविन्द जी,

सस्नेह 'जयशङ्कर'।

आज मुझे श्री जगदीशचन्द्रजी शास्त्री मिले थे, उन से विदित हुआ कि श्री १०८ आचार्यचरण अभी तक मानपुर में ही विराजमान हैं, बम्बई नहीं पधारे। सो यदि यह सत्य है तो श्री १०८ आचार्यचरणों में सादर प्रणति समर्पण पूर्वक प्रार्थना मेरी ओर से करने का कष्ट करें, कि दिल्ली से आपके पधारने पर मुझे ज्वर हो गया था, एक दिन वैसा ही दर्द हुआ जैसा कि गुर्दे में पथरी का आपरेशन से पहले हुआ करता था, वह तीव्र होता था यह मन्द २ गति से हुआ। मुझे भी सन्देह हो गया है, और एक डाक्टर ने भी कहा है कि वही शिकायत फिर होनी आरम्भ हो रही है। तो दिल्ली में एक दिन श्री आचार्यचरणों ने कहा था कि एक औषधि है जिससे पथरी नष्ट हो जाती है, सो कृपया वह औषधि कहां से प्राप्त होती है। कैसे उपयोग में लाई [illegible]

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

उत्तराभिलाषी -
नन्दलाल.
७३ सी. लाइन.
दिल्ली क्लौथमिल
दिल्ली.

POST CARD

ADDRESS ONLY

9 PS INDIA POSTAGE 9 PS

Pt: Hardevji Trivedi,
C/o. B. Jai Jai Ramji manager
'गीताभवन'
Near. स्वर्गाश्रम. [illegible] हृषीकेश
V.P.O. Rishikesh. (Hardwar)
(Dehradun)

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

॥ श्री ॥ ७ ए-सी- लाइन. D.C.Mill.
दिल्ली.
आश्विन कृ. २ सोमवार २००५

श्रीमाननीय श्री त्रिवेदी जी!

सप्रेम प्रणाम।

पत्र आप का प्राप्त हुआ. जिस दिन मैंने आप को सोलन पत्र लिखा था, उसी दिन से मेरी आंखें अपंकरूप से दूखने आगई, सो हर रोज सोने से बिलकुल ही खुलती नहीं थीं, तब से इच्छा होते हुए भी कहीं जा नहीं पाया. आप का पत्र भी मैंने कल पढ़ा है। आज भी आंखें धुंधली सी नजर वाली हैं, पूरी तरह नजर नहीं आता है। आशा है दो चार दिन में अच्छी हो जायेंगी। सभी जगह जाकर फिर आप को सोलन पत्र दूंगा। पूर्ण आशा है कि श्री १०८ आचार्य चरणों से आप मिले होंगे। मेरी ओर से सादर कोटिशः दण्डवत प्रणाम। इन आंखों से नयनों को भी दर्शन का सौभाग्य कभी प्राप्त होगा ही। भैया श्री गोविन्द जी को सप्रेम जय शंकर। उन से कहें कि भैया! महान विभूति के दर्शनों का लाभ तो कम से कम हम जैसों को भी कराने का उदारता पूर्वक अवसर दे दिया करें चुपके से समीप से ही जा रहे हैं। विशेष फिर,

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

[illegible]

POST CARD

ADDRESS ONLY

INDIA POSTAGE

Jairam ji

K. D. Jagdish & Co

Near Fountain

Delhi

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

मेरे प्यारे भैया, पत्र मिला।
चिंता न करो। पूज्य पिता सपरिवार
सकुशल हैं। नवीन पत्र उसकी
उसी दिन ठीक हो गया थी
जिस दिन आप चले गये।
बहन जी, माँ जी, शिव जी
बड़े आनंद से हैं। मैं भी सकुशल
हूँ। कार्यालय का काम ठीक

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

रहे हैं तो शीघ्र भेजने की कृपा करें।
और यदि किसी कारण वश आप उन्हें
न भेजें तो कृपया ५ प्रति श्री विश्वविजय
पञ्चाङ्ग" मेरे वास्ते वहीं देहली में
हमारे भाई ला० विशनसरूप जी बजाज
कटरा प्यारेलाल चांदनी चौक में भिजवा दें।
वह मेरे पास भेज देंगे। आपका कृपाभिलाषी
सेवक — श्याम लाल मित्तल
स्नातक श्री स्वाध्यायपत० ४६८६

POST

श्रीमान पं० हरदेव शर्मा जी त्रिवेदी
c/o
श्री व्यवस्थापक महोदय जी
वीर अर्जुन कार्यालय
देहली
Delhi

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

श्री स्वाध्याय [illegible]
होगा।

अनूपशहर
जि० बुलन्दशहर
३-४-४९

परमपूज्य श्रीमान पंडित जी महाराज साहब
प्रणाम।

सेवामें सविनय निवेदन है कि आज
२ मास व्यतीत होते हैं देहली में आपके
दर्शन किये थे। उस समय श्री विश्वविजय
पञ्चाङ्ग" असमाप्त के छप रहा था वह
आज तक शायद नहीं छप सका है।
वरना अब तक आ जाता। हमारे
स्थानीय बुकसेलर बाबू गौरीशंकर जी
का आर्डर आपके यहां गया था किन्तु
पञ्चाङ्ग आज तक नहीं आये। नूतन
वर्ष भी आरम्भ हो चुका है। यदि आप उनके
आर्डर के अनुसार पञ्चाङ्ग उन्हें भेज

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

निवेदन करने की कृपा करें।

आपका

वे॰ सु॰ शास्त्री

To Sree

वि॰ डि॰ बनवी

House. No. 33. A.

Hindustan Housing Factory

Jangpura.

नं॰ New Delhi x–14

(नई दिल्ली)

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

Sadhana Grandha Mandali, Tenali.

FOUDER: 'VIDWAN' BULUSU SURYAPRAKASA SASTRY.

Estd : 1945

Ref. No. ______________ Date 13. 5: 68.

प्रिय महाशय! सादर वन्दन। आपका पत्र प्राप्त हुआ। पूज्यचरण श्री अवधूतेन्द्र स्वामीजी स्वास्थ्य-लाभ को प्राप्त कर रहे हैं। उन्होंने ता. 2. 5. 68 से ता 2-6-68 तक ऐकान्तिक मौन निष्ठा में रहने का निश्चय किया। वर्तमान में वे मौनव्रती हैं और एकान्त में हैं। ~~श्री~~ पूज्य श्री गुरुजी महाराज के चरणकमलों में इस अकिंचन सेवक के प्रणाम

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

p.c. from Akhnoor, Jammu & hope to reach Srinagar on 12th inst. I shall see the man of Silk House & shall despatch it myself as soon as possible. I did not see P. Balji Nath Ji Pandit although I was in Jammu till 6th inst. Kindly convey my respects to Respectable Mahatma Ji, Namaskars to elders & love to young ones.

Yours affectionately,
Brahmacharia
Janki Nath.

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

पोस्ट कार्ड
POST CARD

केवल पता
ADDRESS ONLY

Shree V. D. Bakhshi,

Office Superintendent,

Hindustan Housing Factory

Bhogal, Jungpora, New Delhi.

Shree Ram Ashram, Fateh Kadal,
Srinagar, Kashmir 8.4.63

My dear brother

Namaskar. I got a p.c. in which the health of Respectable Mahatma Ji [illegible] is written as not good. Will you be kind enough to write all in detail by the return of mail as the news have Caused great anxiety. I am writing this

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

Sri Sri Sri

Amritā Vagbhawa

Acharya ji

C/o M.S. Parkhe ji

1183 - Shivaji Nagar.

Fergauson collage Rd

Poona - 5

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

(सेवा) में

श्रीमदमृत[illegible] महाराज

द्वारा/ राजज्योतिषी श्री गोविन्द जी

चौबुर्जी, भरतपुर

राजस्थान

From.

Dr. Brahmadatta
S.III/875; R.K. Puram
New Delhi-22

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

सैक्टर ३/८७५
रामकृष्णपुरम् ; नई दिल्ली-२२
मार्च २०, १९७२

परमादरणीय महाराजजी,

सादर प्रणाम।

सविनय निवेदन है कि आपकी कृपा से हम सानन्द हैं। आपके जाने पर कदाचित् आनन्द जी (या कोई अन्य व्यक्ति) साथ रक्खा हुआ खुला पत्र दे गये थे। कल बैजनाथ जी द्वारा ज्ञात हुआ कि आप अभी कुछ दिन भरतपुर रुके हैं अतः आपके पास मूल पत्र भेज रहा हूं। इसकी एक प्रतिलिपि कर ली है, ताकि यदि यह आपको न मिले, तो आपको इसके वृत्त से तो अवगत करवाया जा सके। शेष कुशल। रामसिंह जी, रावत जी एवं दुबेजी भी सकुशल हैं। राजरानी आपको प्रणाम करती हैं। कभी कभी पत्र द्वारा अपने स्थानांतरण आदि की सूचना भेज दिया करें।

आशीर्वादापेक्षी

आपका कृपापात्र,

ब्रह्मदत्त

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

॥ श्री मते रामानुजाय नमः ॥

वृन्दावन
ता. १४।४।५८

सेवा में श्रीमान महोदय बाबा जी महाराज को पं. नत्थाराम व पं. बालकृष्ण का चरनो में साष्टांग दंडवत स्वीकार हो आगे यहां पर सब राजी खुसी है आप की राजी खुसी श्री जी से हम मना ने का चहाते रहते है आगे आप का पत्र मिला पढ कर बहुत आनंद हुआ और मुरादाबाद वाली माजी को भी पत्र आप का सुना दीया और इन का लड़का मुरादाबाद ही मोजूद है आप के पत्र की बाट निहार रहे थे जब आप कहते तब इस लड़का को बुलाते उसकी नोकरी पहली से हलत है और उसके कैइ पत्र यहां पर आये सब में लिखा था कि मै बहुत मुसीबत में हूं बाबा जी को लिखो

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

आऊ अब आप जिस वखत वृन्दा-
वन या दिल्ली पधारे उस वखत
मुरादाबाद से उसे बुला लेंगे
और इस पत्र का जवाब जल्दी कृपा
कर देना जी वा।। आप बहुत
याद आती है जल्दी वृन्दावन
पधारो दुकान का काम चल रहा है
इसमे मैलपर नुकसान गया है।
आपका औ आशीर्वाद .बालक

POST CARD

ADDRESS ONLY

INDIA POSTAGE ½A

चिट्ठी मिलै नन्दभवन जी महाराज
को
छोटेलाल ओंमकारनाथ
नं.२० मुक्ताराम बाबू स्ट्रीट
कलकत्ता।

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

श्री गणेशाय नमः

कालका
26·12·60

श्रीयुत महाराज जी,

चरणकमलों में दण्डवत् प्रणाम

आपके रोगी होने का समाचार सुनकर मन को अतीव दुःख व चिन्ता हो रही है। आप कसीस आदी तेल को मसों पर लगाएँ। ईश्वर आपको शीघ्र ही नीरोग करेगा। मसे यदि बाहर हैं और छोटे हैं तो खुली मौसम के निकाले जा सकते हैं। आपका अभी यहीं रहने

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

का विचार हो तो मैं कुछ
दिनों तक खाने की औषध
तैय्यार करके आपको भेज
दूंगा। अपने स्वास्थ्य की
सूचना देने की कृपा करें।

विनीत
रामनाथ शर्मा टीचर
गवर्ट॰ हाई॰ स्कूल कालका

पोस्टकार्ड
साथ का पता ... केवल पता

To
Sh. Gobind Nishkar Shastri
C/o Ji Maharaj.
Vaid Brihaspati Dev Triguna
BHOGAL Jangpura
New Delhi.

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

श्री १०८ श्री गुरु चरणेषु सादर प्रणाम
दण्डवत् नमस्कार:

पत्र आप का मिला। आप की आज्ञा
शिरसा धार्य है। आप ने लिखा था कि चार
दिन के उपरान्त पत्र लिखें गे। परन्तु
पत्र नहीं आया। प्रयागराज से बाबू रामकृष्ण का
सोहं बोल तो। को दिल्ली आया था - उस को हम ने अच्छी
तरह से समझा दिया है यदि आप यहां आवें तो
बहुत का सुप्रबन्ध होगा। यदि बाबू राम का साथ
लेजाना अच्छा हो तो उनके ही आप के साथ
जा सकता है। परन्तु कार्य का प्रबन्ध सब इसी के
सिर पर है बाजार का लेन देन यही करता है। जैसी
आपकी आज्ञा होगी वैसे ही किया जावे गा।
पं हरिकान्त जी अब बिल्कुल ठीक हो गये हैं।
वैद्य जी तथा सिन्धु सज्जनों की ओर से सादर प्रणाम
आप का पत्र आने पर ही आगे का प्रोग्राम
बनाया जावे गा।

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

[illegible]

मिले आपका एक पत्र पहुँचा [illegible]

पत्र तथा एक वैद्यनाथ का [illegible]

[illegible] शरीर को

प्रणाम तथा शुभ होने पर हो

[illegible] किया जाय [illegible]

आप का [illegible] प्रणाम है

[illegible] वैद्यनाथ

[illegible] का हो जाय [illegible]

और स्वास्थ्य के बारे में सूचित

करें । आप का [illegible]

[illegible]

[illegible] भगवान दास

२३.५.६०

पोस्ट कार्ड
POST CARD
साथ का कार्ड जवाब के लिए
THE ANNEXED CARD IS INTENDED FOR THE ANSWER
केवल पता
ADDRESS ONLY

BHARATPUR
NEW DELHI

श्री: आचार्य जी
c/o
श्री गोविन्द जी मिश्र
चौबुर्जी - भरतपुर
राजस्थान

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

श्री हरिः

D/30 कस्तूरबा गांधी मार्ग(?)
नई दिल्ली...3.
21 अक्टूबर, १९६3.

परमपूजनीय गुरुदेव,

चरण कमलों में सादर साष्टांग प्रणाम स्वीकार हो। श्री चरणों की कृपा से मुझे दिल्ली के गवर्नमेंट हायर सैकेंडरी स्कूल में अध्यापक की नौकरी मिल गई है। वेतन अभी २४० रु. ही है पर M.A. पास होने पर ३५० रु. मासिक मिलने की आशा है। श्री चरणों के दर्शनों को पिताजी बक्शी साहब के यहाँ गये थे लेकिन दुर्भाग्य से दर्शनों से वंचित...... ही रहे। विश्वास है कि अब

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

अभी शीघ्र ही दर्शनों
से कृतार्थ होंगे भगवान
श्री गौरीशंकर की कृपा
से।

आशा है स्वास्थ्य
भी ठीक होगा।
सभी पूज्यजनों के
चरणारविन्दों में सादर
प्रणाम।
श्री चरणों के दर्शनों का
उत्कट अभिलाषी -
रवि शर्मा त्रिवेदी

पोस्ट कार्ड
POST CARD
जवाबी
REPLY
केवल पता
ADDRESS ONLY

INDIA
6 nP
६ नपै
भारत

BHARATPUR

सेवा में

श्रीयुत परमपूज्य गुरुदेव
द्वारा
श्री पं. गोविन्द जी मिश्र
चौबुर्जा
भरतपुर (राजस्थान)

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

जय माता पूतानुकम्पा समेता ।
दुर्गे अपवर्ग दाइनी ॥

हरेराम लफ्फाहम

प्रातः स्मरणीय — विं जनेपाडु ९-१-६८

श्री श्री श्री श्रीमदमृत वाग्भवाचार्य जी को सादर 'ओं नमो नारायण' स्मरण, टाटा, शामको ४ बजे पहुंचा था, बीचमें १२ घंटे सिकन्दराबादमें ठहरा था। आप आरामसे दिल्ली पहुंच गये होंगे। आपके छायामें जितने रात्रि-यां बीती थीं वह सब ब्रह्मरात्रियां हैं; यह मेरा सौभाग्य है, याचे तवदयां श्रीमन् चित्त शुध्दि प्रसादिनीम् ॥ याचे तव दयां श्रीमन् चित्त शुध्दि प्रसादिनीम्, याचे तव दयां श्रीमन् चित्त शुध्दि प्रसादिनीम् ॥

रामदास अपनी माँ के साथ, सफाह मे है। आपके श्री चरणोंमे साष्टांग नमस्कार किये हैं। आपको सेवा

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

करके आपके हृदय मे स्थान
प्राप्त किये हुये श्री वि. डि.
बकशी जी को सपरिवार और
श्री रामरत्नम्मा जी - आदि य को को
मेरा नारायण स्मर,
जय माता

पुत्रानु कम्पा समेत।
दुर्वा अपवर्ग दाइनी ॥
अवधूतर्द्रसरस्वति
(श्री) पर्ण ग्रन्थ मण्डलि
तेनालि
जिला - गुंटूर (A.P)

पोस्ट कार्ड POST CARD
केवल पता ADDRESS ONLY
INDIA भारत

Srimadamrita Vagbhavachar ya ji
C/o V.D. Bakshi jee
33 A, Hindusthan Housing Factory
Jangpura
NEW DELHI - 14

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

4-7-73

श्री मान्यवर पं. जयशंकर जी आज
श्री हरिराम जी का पत्र मिला है कि
पूज्यपाद श्री जी महाराज का जन्मोत्सव
8-7-73 को आपके लोहारा ग्राम में
मनाया जायगा गत वर्ष भी आपके यहां
नहीं पहुंच सका इस वर्ष भी इसी दिन
एक रिश्तेदार के जरूरी शादी में सम्मिलित
होना है श्री पूज्य चरणों के दर्शन करने की
उत्कट इच्छा होने पर भी संभव है वंचित
ही रहूं करबद्ध प्रार्थना चरणों में कर रहा
हूं इस जन्मोत्सव के बाद यदि लोहारा या
पटियाला में आना हो सके तो
दर्शन देकर कृतार्थ करेंगे यही निवेदन है

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

यदि किसी प्रकार उपस्थित
होम्यकुं[illegible] इसलिये पूर्व
वहमी 7- को
अपना करूंगा पूज्य-पत्रोति
प्रणाम

सभी भ्रातकों को जयशोद
[illegible]

आपका वैद्य पं० पानकशर्मा
मौअल
श्रीमद् वैकाले औषधालय
म० पो० लहवा गाग मंडी जिरोहाड़

पोस्ट कार्ड
POST CARD
साथ का कार्ड जवाब के लिए
THE ANNEXED CARD IS FOR THE REPLY
केवल पता
ADDRESS ONLY

श्री पं० जयशंकरजी
म० पो० सोहाना
जि० रोपड़
(पंजाब)

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

POSTAGE 10 nP INDIA १० नप

श्री " C/o Shri V. D. Bakshi
Hindostan Housing Factory
Kothi No 33, Bhogal Jangpura
New Delhi No 14

दूसरा मोड़ Second fold

तीसरा मोड़ Third fold

नाम और पता :— Sender's name and address :—

NO ENCLOSURES ALLOWED

... न रखिये

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

...नजी के सादर साष्टाङ्ग प्रणाम स्वीकृत...
...पूर्व ठीक चल रहा है रक्त भरतपुर
...के आपके लिये भेजे थे प्रेस की
...है बल्कि यह तो पत्र चलाने की भी
...नु और श्री "श्रीजी" की इच्छा।

...समाचार और भी है अनिच्छा होते हुए भी
...रहा है पं० श्री रामचन्द्र जी शास्त्री का तार
...र पर पीछे से आये हैं उनकी स्त्री का
...है उन्होंने प्रार्थना की है कि तार-
...कर मदद कीजीये। ये समाचार
...जी महाराज, श्री रमाजी श्री लक्खोजी के
...नुसार लिखे हैं। क्षमा करें।

...पारखे जी का पत्र ६-११-६२ का
...के बाद कोई दूसरा पत्र नहीं आया उन्होंने
...भगवान के चित्र तथा पुस्तकें भेजी हैं,

...श्वरनजी, श्री दुर्गाजी श्री किशम्मा
...र स्वीकृते हों।
...रवा वाराणसी से श्री पं० गोपालचन्द्र मिश्र
...है इन्होंने श्री कविराजजी के निर्देश से
...म्वरा पीठ में एक मास के लिये एक विर
...विजय के लिये होगा सो आप। शिव

इसका उत्तर तत्काल ही भेजने ...

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

श्री:। ८०

पं. दुर्गादत्त शर्मा
घीसी लाल हलवाई का मकान
चौड़ा रास्ता - जड़ियों का रास्ता
जैपुर। राजस्थान

...स्वस्ति पूज्यपाद "श्री जी" के पादार-
...स गोविन्द के कोटिश: प्रणाम स्वीकृत हों।
...शिवसुन्दरमेव च। आज भरतपुर से श्रीमान्
...(वखा) जी के पत्र से ज्ञात हुआ कि आप शनिवार के
पधार रहे हैं। अस्तु मैं यहां श्री पं. मनोहरलाल
और नवजात शिशु को साथ लेकर आया हूं
...ण्टल हौस्पिटल की चिकित्सा आरम्भ
...ें कराया है दिनभर में प्रातर्मध्यान्ह सायं
...को ... "सैक" लगाया था
...ाशा रही अब कल लगेगा, डाक्टर ने
...लिये लिखा है, मेरा विचार प्रतिपदा को घर
...है यहां मन नहीं लग रहा है स्वास्थ्य भी अच्छा
...ती को अस्वस्थ छोड़ा है गत भौमवार को यहां
...न पूर्व से उसे निरन्तर ज्वर था और अब तक ...
...हीं है। अभी स्मरण आया कि प्रतिपदा बुधवार
...गा अत: न जा सकूंगा देखो कब जाना होता है
...ी वहां स्वस्थ नहीं है उन्होंने अपने को १०४
...न सांसारिक चिन्ताओं से ही दु:खी रहता है
...का ही कारण है। बस अब आपको
...ती है और तो कहूं भी किससे।
...थता अधिक बढ़ गई थी रोने अधिक
...ाई थी रात में सोते २ उठ भागना...

P.T.O

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

असम्बद्ध प्रलाप करना इत्यादि

श्रीगिरिराज शरणजी का ...
है। गत कल सायङ्काल रात्रि को उ...
राष्ट्राऽऽलोक का मुद्रण शीघ्र आ...
इसके मुद्रण होने से विश्व शान्ति...
इसके लिये निजी प्रेस लगाया जा...
क सहयोग भी वे देना चाहते हैं...
ठीक ही है, हाँ हिन्दी भावानुवाद
नुवाद भी होना इस युग के लिये प...
इस वारे में श्री जयजयराम जी...
है क्योंकि इस बारे में उन्हें...
मशीन कौनसी ली...
प्रेस कहाँ लगाया जाय, कम्पोज़...
भी वे अच्छे दे सकेंगे वह स्वयं प्रेस...
अथवा किसी को सिखायें इत्या...
समझें करें। उनका पहले जन्म...
था वह भी नहीं भेजा और न क...
मिलने को लिखा था सो मि...
वे हैं भी कहाँ। श्री चरणों...
कि इसका मुद्रण शीघ्र...
दया अवश्य करें ताकि...

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

पता :— Sender's name and address :—

KHANADA ... P.O.

NEW DELHI

17/8/62

अन्दर कुछ न रखिये NO ENCLOSURES ALLOWED

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

श्री जी

Supdt, Hindustan

Bhogal Jungpura

Second fold

दूसरा मोड़

...ता :— Sender's name and address :—

17/8/82

अन्दर कुछ न रखिये   NO ENCLOSURES ALLOWED

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection ... Digitization eGangotri

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization

श्री जी

office Supdt, Hindustan

...ctory, Bhogal Jungpura

Second fold

Third fold

...ता :— Sender's name and address :—

NEW DELHI

KHANABAI

दूसरा मोड़

अन्दर कुछ न रखिये NO ENCLOSURES ALLOWED

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

चुके हैं ५ बाकी हैं राय दिलकाभी प्रूफ
ाक कथनके रूपमें भूमिकाभी वे लिखचुके हैं
नीको) ~~वे यह निवेदन कररहे हैं कि~~
हैं कि "अब आप श्रीजी को सूचित करें कि
ीहै इस पर कुछ लिखना है भूमिका या सम्मति
इत्यादि जैसा चाहें लिखभेजनेकी कृपा करें
की कृपा करें" यह मैंने उनकी लिखी पंक्तियां
उन्होंने बड़ी भारी कृतज्ञता प्रकट की है
कृतज्ञता प्रकाश के लिये १० - १२ पंक्तियां
द है आपको (श्रीश्रीजीको) यह पसन्द
दे जैसा अनन्त श्री का विचार हो लिखें
नेके बारेमें पूछते हैं कि किन २ की लेनी
/ श्रीजी फोटो के ब्लाकके लिये भी पूछा
वे / उन्होंने "श्री जीको प्रणाम लिखने
आपके समीप जो भेजी है वे पहले आजने
लिखा था उन्हें देदें। श्री लक्ष्मणजी की
ी हैं अनन्त का चेतो जब "श्रीजी" यहां
जनेको गुप्ताजी को दे दी थी / श्री जैन
स्वस्थावस्थामें बाहर हो रहे हैं २१ तक आयेंगे
प्रणाम लिखनेको लिखा है। श्री शरणजीके
र२ प्रणाम लिखनेको लिखा है। श्री पं० दुर्गा
न लिखे हैं। श्री चरणोंमें मेरा च।
जी, छोटेलालजी, श्री पं० मनोहर
...

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

lwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New De

श्री:। चौबुर्जा-भरतपुर
१७-८-६२

...नीय पण्डितप्रवर श्री वलजिन्नो...
...जयशंकर। सर्वत: कुशलमस्तु।
...क्षा के अनन्तर कृपापत्र मिला
... "श्री जी" यहां से पधारे हैं
...ल यह सूचना मात्र थी कि
... और समाचार आपके पते पर
...ा के अतिरिक्त कोई पत्र नहीं
...कोई दिया, मैंने ३-४ पत्र
...णाम और कुशलवृत्त के
...बात नहीं थी अस्तु भग-
...लिखो पत्र अद्यावधि नहीं
...हृदय" पुस्तक पूरी छप चुकी है
...a" भी छप गया है आजवाहि
... रुवं भी तो के पेज नहीं छप सके हैं
...दिन मैं पुस्तक का जिल्द बंधना आरंभ
...र संभवत: इसी सप्ताह में आपके समीप
...प लिखें कितनी प्रति भेजूं।
...जी अपनी पहली नौकरी छोड़ चुके हैं
...ला" ... में ... हैं

Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eG

dwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New De

इस पुस्तक के मुद्रण में आने को विल
होगई है। मेरे पास इसी पुस्तक के मु
आया हुआ रिम कागज शेष है यदि
समझें तो "श्रीसञ्जीवनी दर्शि
बनाकर भेज दें मैं यह सोच रहे
शीघ्र ही काम में आ जाय तो
खराब होगा एकाध ला
श्री पं० रमानन्द जी से श्री
का श्री पं० नन्दकुमार जी (गु
नुवाद तथा रमानन्द जी
दे दूं केवल इसी प्रतीक्षा
लेली जाय, अब यह वि
वनी दर्शिनी" का ही मु
आज्ञा हो।

श्री पं० हरि शास्त्री जी
चुका है २००) रु. और शीघ्र भेजने
मैं आषाढ़ शुक्ल में मिला था तब वे १
खर्च हो जायगा ऐसे कहते थे मैंने
कहा कि यह तो अत्यधिक होगा और
पर विचार किया जायगा इत्यादि। :
पत्र मेरे पास आया है उसमें उन्हे

i Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitizatio

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

अन्तर्देशीय पत्र
INLAND LETTER

10 nP

अनन्त श्री ॥ श्री ॥
c/o
पं० देवीदत्त जी
V. D. वरख
हिन्दुस्तान हाउ
भोगल-जंगपुरा

← तीसरा मोड़ Third fold →

भेजने वाले का नाम और पता :– Sender's

मिश्र गोविन्द
चौ. कु
सीतापुर

NEW DELHI
B
18-6-69
AM

अन्दर कुछ न रखिये NO ENCLOSURES A

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

...न दिनों बड़ी गड़बड़ चलरही है
...जेन्लालजी का ३-४-६२ का
पत्र गत कल १४-४ को मिला
...का आज १५-४ को मिला
...वस्था है डाक की अस्तु।
...जी का स्वास्थ्य वैसे तो एक
...तरीं चल रहा है अब दश दिनसे
...गतकलसे ज्वरमुक्त हुए हैं।
...सि लखन ज्वर ग्रस्त हैं यहां
...तेशत लोग ओझा, ज्वर
...रोगोंसे पीड़ित हैं।
...दीक्षा के कुमार. त्रिलोचन का
...म दिन है वह प्रातः प्रणाम
...को कहगया था।
...सातवके ज्येष्ठ पुत्र जगदीश को
...ड चलरहा है अब उतार पर है

२-४ दिनमें ठीक हो जायेंगे।

श्री पं. मनोहरलालजी की अस्व...
हुईथी वह अब कुछ कम है पर...
पूर्ण बातें करते रहते हैं, औ...
नहीं और बाहर कहीं चल...
कहतेथे कि बावा महार...
हो जाऊंगा उन्होंने ...
मैंने कहा कि चलो बावा...
कहते हैं कि अब मैं को...
जो कार्य उन्हें करदूं उ...
प्रकाश डाल कर मुझे स...
अब मैं प्रति स्वस्थ हो रह...
श्री विश्वम्भर सिंहजी प्रण...
कल उनके चि. चिदानन्द को...
शेष कुशल है। चिलो अकला...
जो रहा है ठीक है जगदम्बा...
पु. विद्याधरजी, श्री गिरिराजेशरण...
के बाद प्रणाम स्वीकार करें। सुना...
भी अच्छी नहीं है उन्हें ...

श्री राजा साहब सोहनलाल जी को भी पत्र लिख रहा हूं आज उनको भी प्रणाम कहियेगा हूं
श्री बलदेव जी और उनके परिवार में सभी को यथायोग्य / श्रीमान् भगवान दास
श्री वाचस्पति जी, पं. डा. कृष्ण गोपाल जी, श्री राम कुमार जी आदि सब को आशीर्वाद

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

श्री. चौकुजा...

[illegible]

अनन्त श्री अव्याज करुणामूर्ति: श्रीबाल...
पाद पद्मोंमें दासके कोटिश: प्रणाम स्...
सर्वत: कुशल मस्तु। कुशल पत्र न मि...
कृपया कुशल समाचार दें।

श्री वैद्य बृहस्पति देवने आ...
पत्रमें यह पंक्ति लिखकर औ...
है कि "श्री जी" का स्वास्थ्य प्...
यहां पहुंचकर कोई आक्षेप नहीं...
रहा हूं कि आक्षेप नहीं हुआ इ...

आपके जालन्धरसे पत्र मि...
श्री पं० नन्दकिशोर जी वैद्य ...
पधारे थे एक अन्तर्देशीय प...
मैंने लिखा था उसमें उनकी ओ...
लिखी थी कि आप काश्मीरसे पधा...
उन्हें सूचित करदें तो वे पठानकोट...
आकर आपसे मिललें। संभवत: वे पत्र श्री पं० ...
जी ने अब जो पत्र आपको लौटाये हैं

पहला मोड़ First fold

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

Sadhana Grandha Mandali

FOUNDER : BULUSU SURYAPRAKASA SASTRY
Ubhayabhasha Praveena.
Estd : 1945. Guntur Dt. TENALI. Andhra Pradesh.

To

EXPRESS DELIVERY

Sri, Sri, Sri,

Amrutha Vagbhavacharya
c/o V. D. Bakshi, H.T.C 33-A.
Hindustan housing factory
Jingapura, New Delhi - 1

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

रजिस्टर्ड पोस्ट

सेवा में

पूज्यपाद १००८

महामहिम श्री मदमृत वाग्भवाचार्यजी महाराज

केयरफ - श्री गोविन्द जी मिश्र

चौबुर्जा

भरतपुर

126

126/ 11/3

AS BINNANY
nd Road,
cutta-7

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

बल्लभदास बिन्नानी "ब्रजेश"

साहित्यकार

साहित्यरत्न, साहित्यालंकार, बाल-साहित्याचार्य, बाल-मनोविज्ञानाचार्य,

४३, स्ट्राण्ड रोड,

रजिस्टर्ड ए०डी०

पत्रांक बी०डी०८३३-६४

कलकत्ता-७, १०-३-१९६४

सेवा में

पूज्यपाद १००८

महामहिम श्री मदभूत वाग्भवाचार्यजी महाराज,

केयरफ - श्री गोविन्द जी मिश्र

चौबुर्जा

भरतपुर

श्रद्धेय महाराज जी,

साष्टांगं दडंवत व प्रणाम।

यह जानकर मुझे अपार हर्ष हुआ कि " श्री हरिशास्त्रीजी द्वारा रचित श्री ललिता सहस्त्र काव्यम् " आप की ही उदारता से प्रकाशित हुआ है। यथार्थ रूप में देखा जाय तो दयामयी मा ने एक ऐसे शुभकार्य की प्रेरणा देकर आपको ऐसे लोकोपकारी एंव कल्याणकारी कार्य का निमित्त बनाया जो आपकी विलक्षण सूझबूझ एंव अद्भुत गुण ग्राहकता का परिचय है। श्री हरि शास्त्रीजी की ऐसी सुन्दर सरस लालित्य से ओत प्रोत और इतनी उच्चकोटि की सुन्दर रसिक रचना को प्रकाश में लाकर आपने जो साहित्य व धर्म की सेवा की है उसकी जितनी प्रशंसा की जाय थोड़ी है। किमाधिकम्

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

यों वैसे मैं आपकी प्रखर प्रतिभा प्रकांड पांडित्य, एवं प्रभावशाली पुरजोर लेखनी के चमत्कार का आभास आपकी श्री श्री विंशतिका शास्त्रम्, श्री सप्तपदी हृदयम् श्री महानुभव शक्ति-स्तव आदि पुस्तकों से मिल चुका है जिन्हें अभी अभी ही पढ़ने का मुझे सौभाग्य प्राप्त हुआ है। सभी पुस्तकें अपने ढंग की आपकी अनूठी रचनाएं हैं। जिनमें आपके अन्तरात्मा की सच्ची पुकार एवं आपकी दैवी अनुभूति की दिव्य झलक हमें अलक्षित रूप से प्राप्त होती है। इन ग्रन्थों में आपने अपने हृदय को खोलकर रख दिया है जो आपके अपूर्व साधन-सिद्ध एवं दैवी कृपा प्राप्त होने का सफल परिचायक है। किमाधिकम्। माता के भक्तों के लिए आपने ऐसी अनूठी रचनाएं लिखकर बड़ा ही श्रेयस्कर कार्य किया है। अतः सब मिलाकर आपकी ये सभी पुस्तकें संग्रहणीय और रसास्वादनीय हैं। प्रत्येक भक्त जन को इन्हें अवश्य मगांना चाहिए। ऐसी उत्तमोत्तम पुस्तकों के लिए आपकी जितनी प्रशंसा की जाय थोड़ी है। श्री श्री विंशतिका शास्त्रम की २१ कारिकाओं में श्री विद्या के मूल तत्त्व एवं उनके अनुशीलन की विधि व महात्म्य तथा उसकी दार्शनिक पृष्ठभूमि पर पर्याप्त रूप से तान्त्रिक प्रकाश पड़ता है जो खासकर श्री विद्योपासकों के लिए बहुत ही उपयोगी है। बिना मात की कृपा से ऐसी अनूठी बेजोड़ एवं अपने ढंग की सर्वोत्कृष्ट प्रभावशाली रचना प्रस्तुत करना कभी भी सम्भव नहीं है - किमाधिकम्। कई प्रकार की व्याख्या एवं हिन्दी टीका युक्त होने से इसकी सुन्दरता में चार चांद और लग गए हैं।

अतः इस प्रकार आपका यह सत्प्रयास पूर्णतया सफल होकर बहुत ही स्तुत्य एवं सराहनीय है जिसके लिए मैं आपको हार्दिक बधाई देता हूं। इस पुस्तक द्वारा आपने प्रत्यक्षतः साहित्य व धर्म की जो सेवा की है उसके लिए धार्मिक जगत आपका सदैव ऋणी रहेगा। वास्तव में यह सनातन धर्म और पृथ्वी आप जैसे धर्मनिष्ट, नैष्टिक, साधनसिद्ध और भगवद्भक्तिनिष्ट तपस्वी महानुभावों के बल

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

सदैव आपके चरणकमलों का सेवक
बल्लभदास बिन्नाणी
(बल्लभ दास बिन्नानी)

संलग्न:- एक टिकटदार लिफाफा जवाब के लिए ।

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

पर टिकी हुई है जिन्होंने धर्मोन्नति में अपना पूरा पूरा योगदान दिया है। धन्य है आपका जीवन। सचमुच आप पूरे निस्पृही और जीवनमुक्त महानुभाव हैं। यथार्थ में आज के दिन पतनोन्मुख सनातन धर्म की आप जैसे परम भागवदीय महानुभावों द्वारा ही रक्षा हो रही है अन्यथा यह कभी को रसातल पहुंच गया होता। मेरी तो ईश्वर से यही प्रार्थना है कि आप शतायु हो और सदैव सुखी व प्रसन्न रहें और इसी प्रकार अध्यात्मिक सत्साहित्य का सर्जन करते हुए श्रद्धालु भक्त जनों का इस दिशा में यथार्थ पथ प्रदर्शन करते रहें।

आज जब कि सनातन धर्म व संस्कृति का निरन्तर ह्रास हो रहा है नास्तिकता बढ़ती जा रही है तो इस युग में इन कलि दोषों के निवारणार्थ और विश्व कल्याणार्थ तथा जनता व जनार्दन की अध्यात्मिक उन्नति के लाभार्थ ऐसे उपयोगी ग्रन्थ का प्रकाशन निस्सन्देह बहुत ही महत्वपूर्ण है जिसके द्वारा अखिल ब्रह्मांड जननी व भोग मोक्ष प्रदायिनी श्री विद्या की महिमा आदि का प्रचार हो। इसके पठन पाठ से श्रद्धालु पाठकों को निस्सन्देह भगवती ललिता का अनुग्रह प्राप्त होगा।

आपकी सर्वतोमुखी प्रतिभा एवं अनुपम विद्वता देखकर मेरे मन में आपके दर्शनों की बड़ी प्रबल इच्छा हो रही है अतः एक बार यहां पधारें न। आपका सत्संग लाभ हमें मिलेगा और आपके द्वारा भगवती ललिताम्बा को प्रसन्न करने का रूपक बनेगा जो मेरी बहुत पुरानी तमन्ना है और ~~जिसके~~ जिसकी पूर्ति के लिए मैं आप जैसे सुयोग्य और साधन-सिद्ध और सफल मार्ग दर्शक की निरन्तर खोज में हूं। किमाधिकम् - आप स्वंय योग्य हैं और सब कुछ समझने वाले हैं। मुझे पूर्ण विश्वास है कि आपका अनुग्रह मुझे आवश्यमेव प्राप्त होगा।

मेरे योग्य सेवा निस्संकोच लिखें। कृपया पत्रोतर दें।

सद्भावनाओं एवं शुभकामनाओं सहित,

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

होने ही। भक्तिकी कोशिश करूँगा। लेकिन
ये सारी बातें होते हुए भी शान्ति मन [illegible] आयी है
या नहीं। चूँकि इसके [illegible] सरकार हैं
इसका मैं निर्णय करने में असमर्थ हूँ। मैं
श्री चरणों के अनुग्रह का भिखारी हूँ कुछ दिनों
बालक का [illegible] अपने अधिकार मान श्री चरणों
से ही। आशा है अतः यह बालक [illegible]
श्री चरणों के कारण है।
श्री [illegible] महाराज की अनुकम्पा भी बनी।
न करने के कारण मैं ही हूँ लेकिन यथाशक्ति
फिर भी इस विषय में श्री चरणों में पत्र समर्पित
करने के लिये आतुर हुआ। जो श्री चरणों
में समर्पित है। अतः श्री चरणों की आज्ञा प्राप्त होवे
यही निवेदन है।

आपका चरण
रज [illegible]
विश्वनाथ।

अन्तर्देशीय पत्र
INLAND LETTER

POSTAGE 10 nP INDIA १० नप

To
श्री श्री C/o V.D. [illegible]
हिन्दुस्तान [illegible]
दिल्ली नं० १५

पहला मोड़ First fold

दूसरा मोड़ Second fold

तीसरा मोड़ Third fold

भेजने वाले का नाम और पता :– Sender's name and address :–
15/11/63
विश्वनाथ [illegible]
चौकी [illegible] पर
[illegible] (राजस्थान)

इस पत्र के अंदर कुछ न रखिये NO ENCLOSURES ALLOWED

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

श्री ।।

चौकी प्रभारी कैंप
जोरहट सैंपल
पो० चौमुह जिला भरतपुर
(राज०) दि० १५-११-८३.

परम पूज्य श्री त्रिमूर्ति श्री बाबा महाराज के पुनीत चरण कमलों में कोटिशः साष्टांग प्रणाम स्वीकृत हो। परम पूज्य श्री चरणों की अनुकम्पा से पूर्ण कुशलता है। श्री चरण तो अखिल कुशलता एवं कुशलता मात्र के उद्गम हैं अतएव वह कुशल ही होंगे इस लिखने का महत्व ही क्या है? श्री चरणों के निर्देशानुसार कुशल समाचार आदान प्रदान जीवनपर्यन्त ही सीमित है आनन्दकन्द अनन्त प्रभु "शिव" के लिये नहीं।

[illegible] के निधन का समाचार तो श्री चरणों को अवगत हो ही चुका है। तभी अवश्य ही कोई पत्र आया नहीं की सेवा आदि की आज्ञा के सम्बन्ध में भरतपुर श्री चरणों में पत्र समर्पित किया ही जा चुका है लेकिन श्री श्री चरणों के दर्शन करने से असमर्थ रहा. अब दिनांक ५/११/८३ मंगलवार को भरतपुर गया भी लेकिन उसी दिन सुबह श्री चरण दिल्ली पधार चुके थे इसलिये दर्शन नहीं हो सके। श्री पुरोहित जी तथा श्री पं० [illegible] जी महाराज ने भरतपुर [illegible] होने पर श्री चरणों के समाचार प्राप्त हुये

श्री चरणों की आज्ञानुसार बच्चों के पालन पोषण के सम्बन्ध में निवेदन यह है कि अभी वह सेवा जी के [illegible] आश्रित हैं लेकिन वह बहू [illegible] से बहुत कमजोर है लेकिन फिर भी वह [illegible] आश्रित है [illegible] यथाशक्ति उनका पालन पोषण करेगी लेकिन चूंकि बच्चे छोटे हैं उनको भी [illegible] रखना और वह भी कुछ कमजोर है अतः उनके घर २ बकरियाँ [illegible] हैं उनको [illegible] तो बहुत है। रहा सवाल मायके का लेकिन उन बच्चों के पालन पोषण की [illegible] इसलिये पता नहीं आता है कि उनको अपने ही बच्चों की देखरेख नहीं हो पाती है तथा बच्चे सद्व्यवहार भी नहीं पाते तो औरों की आशा भी क्या की जावे। बच्चों की नानी अवश्य ही हितचिन्तक हैं लेकिन वृद्ध रोग एवं [illegible] से बहुत ही कमजोर व सहयोग की अपेक्षा करने वाली हैं, तथा रक्षक भी हैं। लेकिन उनका हित अवश्य ही विशेष है। ये तो हैं बच्चों के पालन पोषण में सामाजिक सहयोग की बात लेकिन कुछ भी हो जहाँ तक भी मुझसे हो सकेगा बच्चों का पालन पोषण यथा सामर्थ्य

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

श्री

श्रीद्वारकादास

जि. झाँसी पो. बालाजी

त. झाँसी मु. आरी

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

ओं

जी ऐक्स आई कैम्प व पोस्ट आफिस
खेतड़ी कौपर प्रोजैक्ट,
जिला: झुंझनूं (राजस्थान)

श्रीमान परम पूज्य माननीय 108 श्री स्वामी जी महाराज। दास का आप के पवित्र चरणों में प्रणाम स्वीकार हो। अत्र कुशलम तत्रास्तु। काफी देर से आप की सेवा में पत्र डालने की कामना थी परन्तु आप का पता न होने के कारन पत्र न लिख सका। बाबू केवल कृष्ण से आप का पता मंगवाया है। और आप की सेवा में पत्र लिख रहा हूं। आशा करता हूं कि आप को प्राप्त हो जाएगा। जब राजस्थान की यात्रा का प्रोग्राम बने तो कृपया इस दास को भी यहाँ दर्शन देकर कृतार्थ करें। आशा करता हूं कि आप मेरा निवेदन स्वीकार कर लोगे। और मन की शांति के लिये कोई मन्त्र बताएं। आप का बताया हुआ गैत्री का जाप तो थोड़ा बहुता कर लेता हूं। आपने इस अनाथ बालक पर दया दृष्टी रखें। अपनी कुशलता का खत कृपया डालते रहा करें। यहाँ दर्शन देने की जरूर कृपा करें। पत्र में कोई त्रूटी हो तो अपना बच्चा जान कर क्षमा करना।

आप का बेटा
राजकुमार शर्मा।

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

श्रीमान दत्त जी। जै शंकर।

ये पत्र स्वामी जी की सेवा में लिखा है।
यदि वे यहाँ न हों तो कृपा करके उनके पते पर भेज दें।

आप का सेवक
राज कुमार शर्मा

पहला मोड़ First fold

अन्तर्देशीय पत्र
INLAND LETTER

To
Sh. Swami Jee Maharaj C/o
Sh. Nitya Nand Datt
G Type Quarters No. 491
Niwas puri, Ring Road
New Delhi 14

तीसरा मोड़ Third fold

भेजने वाले का नाम और पता :- Sender's name and address:-

R.K. [illegible]
[illegible] Camp & P.O.
Khetri Copper Project
Distt. Jhunjhunu (Rajasthan)

[illegible]JANGPURA 29.2.68 PM NEW DELHI-14

इस पत्र के अन्दर कुछ न रखिये NO ENCLOSURES ALLOWED

दूसरा मोड़ Second fold

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

अन्तर्देशीय पत्र कार्ड
INLAND LETTER CARD

भारत
25 INDIA 25

Maharaj Jee
C/o
Pt. Hari Ram ji Sharma
Near Gurudwara
NALA GARH
पिन PIN
(H.P)

तीसरा मोड़ THIRD FOLD

पहला मोड़ FIRST FOLD

दूसरा मोड़ SECOND FOLD

इस पत्र के भीतर कुछ न रखिए NO ENCLOSURES ALLOWED

प्रेषक का नाम और पता :— SENDER'S NAME AND ADDRESS :—

[signature]

पिन PIN

8/9/12

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

ओं

कोलकाता
21/6/80

प्रातः स्मरणीय
परम पूज्य महाराज जी
के चरणों में सादर नमस्कार

परमादरणीय!
मेरे मित्र शास्त्री जी ने मेरी लड़की की बाबत अपिको बात की होगी, मैं आज बैंक से छुट्टी करके सीधा आपके चरणों में पण्डित जी के घर पहुंचा पता चला आप नालागढ़ जा चुके हैं। 2/7 या 3/7 को आपके चरणों में उपस्थित होऊंगा।

शास्त्री जी ने नालागढ़ के पोस्ट मास्टर का जिक्र जो किया होगा जो कि उन्होंने मुझे बतलाये थे। मेरा साला नालागढ़ नहीं, बल्कि सोलन का पोस्ट मास्टर लगा हुआ है।

बाकी बात आपके चरणों में बैठ कर करूंगा।

पण्डित हरि राम जी और अन्य साथियों को सादर प्रणाम।

चरणदास
बाल कृष्ण शर्मा।

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

अभी यहाँ किसी को भी मिल नहीं सका।
जैसे जैसे मिलना होगा सब मिलने वालों
को जटाशंकर कह दूँगा।

अन्तर्देशीय पत्र कार्ड
INLAND LETTER CARD

Shri Swami ji
c/o
Pt. Jata Shankar ji
SOHANA (Pb)
Near Chandigarh.

पिन PIN

पहला मोड़ FIRST FOLD

तीसरा मोड़ THIRD FOLD

इस पत्र के भीतर कुछ न रखिए NO ENCLOSURES ALLOWED

प्रेषक का नाम और पता :— SENDER'S NAME AND ADDRESS :—
K.K. ANAND
18-A/B, Gandhi Nagar
JAMMU TAWI

पिन PIN 180004

2/5/01

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

ॐ

जम्मू
10.4.77

श्री जी,
जय शंकर

आप को पत्र न लिख सका क्योंकि नालागढ़ का पता ना लिखा था न याद ही रहा। अब आप का पत्र आने से मालूम हुआ कि आप नालागढ़ से 29.3.77 को सोहाना पहुंच रहे हैं। और फिर इन दिनों मैं भी अमृतसर गया और वहाँ 12 दिन लग गये। इन्हीं दिनों में श्री गोविन्द जी का पत्र भी आया, उन को आप के सोहाना पहुँचने का लिख दिया है। आप से भी प्रार्थना है कि उन को पत्र लिख दें वह आप के स्वास्थ्य की चिंता कर रहे थे।

आप को यह जान कर प्रसन्नता होगी कि जिस दिन हम पठानकोट पहुंचे उस के दूसरे दिन ही मेरा खोया हुआ सामान आप की कृपा से वैसे ही मिल गया। यह सामान हवाई महकमे के दो सज्जन जो किसी काम से जम्मू की ओर जा रहे थे उन को मिला और जो उस में दफ्तर के कागज़ थे उन की सहायता से दूसरे दिन 10½ बजे के समय के पास ही मुझे मेरे डिपू में वह मिल गये और सारा सामान बिल्कुल सुरक्षित मेरे हवाले कर दिया। इस से मुझे एक बहुत सुंदर अनुभव हुआ वह लिखा नहीं जा सकता। जब भी आप के दरशन का मौका मिले गा आप के चरणों में कहूँगा।

पुष्पा के बड़े लड़के देवराज की शादी तिथी 6 5/77 को हो रही है। वहाँ (मुज़फ़्फ़रनगर) जाने के लिये हम यहाँ से 4 5/77 की शाम को गाड़ी से 5 5/77 प्रातः सहारनपुर उतर कर वहां से बस ले कर पहुंच जाएँ गे। फिर वहाँ से 8 5/77 को देहली पहुंचें गे और दिल्ली से 11 5/77 को शाम की गाड़ी से जम्मू आ जाएँ गे। अगर जब तक आप ने देहली चले जाना हो तो लिखें तो वहां आप के दर्शन कर सकें कृपा हो गी।

विनायक की प्रीक्षा 25 4/77 से शुरू हो रही है हमारी सब की ओर से आप के चरणों में प्रणाम सब लोगों को जय शंकर।

आप का दर्शन अभिलाशी
कुकु आनंद

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

अन्तर्देशीय पत्र कार्ड
INLAND LETTER CARD

भारत 25 INDIA 25

Redirected

श्रीमान् श्री [illegible] पूज्यपाद
~~श्री [illegible]~~
c/o Pt. Hari Ranji Sharma
~~[illegible]~~ Retd. D. C & S. O.
~~[illegible]~~
~~[illegible] SOLAN (H.P.)~~
P.O. NALAGARH (H.P.) NALAGARH
पिन PIN ~~[illegible]~~
(Via Ropar (PB)

तीसरा मोड़ THIRD FOLD

इस पत्र के भीतर कुछ न रखिए NO ENCLOSURES ALLOWED

प्रेषक का नाम और पता :— SENDER'S NAME AND ADDRESS :—
[illegible]
C-22, South Moti Bagh
New Delhi
पिन PIN 110021

19/6/[illegible]

SOLAN

पहला मोड़ FIRST FOLD

दूसरा मोड़ SECOND FOLD

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

श्री हरि

C-22
South Moti Bagh
New Delhi 110021
19.6.80

अनन्त श्री विभूषित पूज्यपाद भगवान शंकरजी
के चरणों में सादर प्रणाम

आप का कृपा पत्र मिला पढ़कर बड़ी प्रसन्नता हुई कि आप का स्वस्थ ठीक है और सोलन में गर्मी का प्रकोप नहीं है। यहां तो बड़ा भयानक गर्मी पड़ रही है।

बाबु सीतारामजी और उनके बच्चे अभी तक वापिस देहली नहीं आये हैं केवल उनके दामाद ही यहां हैं उनसे पता चला कि वह सब लोग पंद्रह जुलाई तक वापिस लौटेंगे।

मालेंदु जी पूर्णतः स्वस्थ हो गये हैं। वह सप्ताह में एक दिन शाहदरा एक दिन ठाकुरजी के पास और एक दिन मदनगीर में जाता है। आप को सादर प्रणाम कहता है।

आदि, श्याम, आभा तथा आदित्य सब बालक स्वस्थ पूर्वक हैं आप के चरणों में सादर प्रणाम कहते हैं।

श्री राधाकृष्ण व्यास जी (शिकारपुरवाले फिरोजाबाद) आप के चरणों में सादर प्रणाम कहते हैं। आप ने स्वप्न में उन पर कृपा की है। ज्वर ठीक हो गया है अभी कमजोरी शेष है आशा है पांच सात दिन में ठीक हो जावेंगे। आप को बहुत याद करते रहते हैं। आप की कृपा के आकांक्षी हैं।

कान्ता जी आप को बहुत याद करती हैं और सादर प्रणाम निवेदन कर रही हैं।

आप का
देवा

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

अन्तर्देशीय पत्र कार्ड
INLAND LETTER CARD

20 INDIA 20

Sawamiji c/o
Pandit Govind Missar
Chanbuja
Bharat pur (Rajasthan)

पिन PIN

पहला मोड़ FIRST FOLD

दूसरा मोड़ SECOND FOLD

तीसरा मोड़ THIRD FOLD

इस पत्र के भीतर कुछ न रखिए NO ENCLOSURES ALLOWED

प्रेषक का नाम और पता :— SENDER'S NAME AND ADDRESS :—

J. L. Gandotra
B/60, H. H. F. Ltd
Jangpura, New Delhi

पिन PIN 110014

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

पूज्य महात्मा जी,

जय शंकर जी,

आप के चरणों में हमारा बार बार प्रणाम, काफी समय से हमें आप के विषय में कुछ भी पता नहीं चला और दो चार दिन पहले यह पता चला कि आप भरतपुर में हैं, और आप की सेहत भी ठीक नहीं है। हमें यह जान कर बहुत फिक्र हो रहा है। आप कृपया कर के शीघ्र ही अपनी सेहत के बारे में पता देवें।

आप को यह जान कर प्रसन्नता होगी कि आप की कृपा से S. ली अपनी परीक्षा अच्छे अंक ले कर सफल हो गई है अब उसे कॉलिज में प्रवेश दिला रहे हैं। यह सब आप की कृपा है, वनीं कुछ विकार रहता है उस का इलाज चल रहा है अच्छा है ठीक हो जाए जय/और सब कुशल मंगल है आप अपनी सेहत के विषय में अवश्य लिखते रहा करें। इसके योग्य कोई सेवा हो अवश्य लिखें। अपनी सेहत का ख्याल रखें हमारी बार बार आप से यही प्रार्थना है। बच्चों की तरफ से और हमारी तरफ से आप को बारम्बार प्रणाम तथा जय शंकर।

आप के दर्शनाभिलाषी,

आप के सेवक
जिया लाल गंजोत्रा

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Vanaya Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

यहाँ काट कर खोलिए TO OPEN CUT HERE

अन्तर्देशीय पत्र कार्ड
INLAND LETTER CARD

भारत INDIA

सेवा में
श्री पं. गोविंद मिश्र जी
ज्योतिषी
चौबुर्जो — भरतपुर
राजस्थान

पिन PIN

पहला मोड़ FIRST FOLD

दूसरा मोड़ SECOND FOLD

तीसरा मोड़ THIRD FOLD

इस पत्र के भीतर कुछ न रखिए NO ENCLOSURES ALLOWED

प्रेषक का नाम और पता :— SENDER'S NAME AND ADDRESS :—

पिन PIN

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

ॐ

ज्वालामुखी
१२-४-६६

श्रीमन् माननीय पूज्यपाद पीठस्थ जी
सादर चरणवंदना।

प्रणाम [illegible]. कृपा पत्र मिला. बड़ी प्रसन्नता हुई. आजकल परमपूज्य श्री आचार्यचरणजी भारत ही हैं तो मेरी चरणवन्दना पहुंचा देवें। श्रीआचार्य जी ने तो मुझ पर बहुत कृपा की. पर मैं लाभ न उठा सका: ठीक विधि पूर्वक न तो उपासना की, न ही पूरा समय दिया. अब मैं श्रीआचार्यजी से कुछ पूछना चाहूं तो कैसे पूछूं. अपने प्रमाद या आलस्य से मैं स्वयं ही लज्जित हूं "[illegible] किं." आदि पर चाहे कितना ही विश्वास हो परंतु जब तक इसका अनुभव न हो तो कुछ [illegible] होते ही रहेंगे. कई सम्भावना है कि "[illegible] जन्म से सिद्ध होता यति पातंजलि" परन्तु यह बात मेरी समझ में नहीं आती, क्या किसी गुफा के भीतर करोड़ों वर्ष के अंधकार को नष्ट करने के लिये प्रकाश को करोड़ों वर्ष लगते हैं। कभी सोचता हूं कि जिन सत्व रज तम गुणों की शरीर में उपस्थिति है उनके अनुसार ही शारीरिक क्रियायें होंगी. परन्तु चेतन तत्व पर तो गुणों का प्रभाव ही नहीं होना चाहिये, इत्यादि. इसलिये आपकी ही शरण हूं

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

स्तोत्र तथा भगवान शंकर की स्तुति का पाठ बच्चे नित्य करते हैं। रामरक्षा स्तोत्र का पाठ सब करते ही हैं।

आप चंडीगढ़ वाले वैद्यजी की औषधि का प्रयोग यदि कर सकें तो उत्तम होगा। कुछ दिन वहां प्रयोग कर लें। वापस आते हुए अपने साथ लाने की कृपा करें।

सब बच्चे आप को याद (प्रणाम) कहते हैं। शशि वररुचा ने आप की आज्ञानुसार शुभ महूर्त में भारत [illegible] दिये हैं।

आपका
देव

अन्तर्देशीय पत्र कार्ड
INLAND LETTER CARD

O.M.S.

सेवा में श्रीमान्
पूज्यवर [illegible] शर्मा जी महाराज
C/o
Shri S.C. Sharma J.E
Daya Bhawan दया भवन
SOLAN सोलन

पिन PIN 173212

तीसरा मोड़ THIRD FOLD

इस पत्र के भीतर कुछ न रखिए NO ENCLOSURES ALLOWED

प्रेषक का नाम और पता :— SENDER'S NAME AND ADDRESS :—

देवराज शर्मा
C-22, South Moti Bagh
New Delhi

पिन PIN 110021

28/9/1

पहला मोड़ FIRST FOLD

दूसरा मोड़ SECOND FOLD

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digi[illegible]gotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

श्री हरि

C-22
South Moti Bagh
New Delhi 110021
1.6.80

परम पूज्यवर भगवान शंकर जी
के चरण कमलों में सादर प्रणाम

आप का कृपा पत्र मिला यह जान कर बड़ी प्रसन्नता हुई कि आप सोलन पहुंच गये हैं और अभी वहीं पधारेंगे। देहली में तो बहुत गर्मी पड़ रही है। वर्षा के पश्चात ही कुछ शांत होगी। तब तक पहाड़ी क्षेत्र में रहना ही उपयुक्त होगा।

बाबू सीताराम जी और निर्मला आदि अभी तक वापिस नहीं आये हैं। श्री प्रेमलाल जी के यहां और श्री रवि. शर्मा शिवदत्त के यहां सब आनन्द पूर्वक हैं और आप का कोई पत्र उन के यहां नहीं आया है यदि कोई आया तो आप की सेवा में भेज दिया जायेगा। श्री प्रेमलाल जी ने भी आप की सेवा में पत्र लिखा है।

भगवद् गुरु शंकराचार्य जी का प्रसाद 25 दिनों से बिमार है आप के चरणों में प्रणाम निवेदन किया है। वह ठीक होने के पश्चात अपनी सुपुत्री का सम्बन्ध लेकर आयेगा प्रयाग [illegible] के लिये है। उन्होंने ने जन्मकुण्डली मिलवा ली है और हर प्रकार से ठीक है।

देवी शकुन्तला गोस्वामी और आदर्श प्रकाश सिद्धार्थ साहित्य 19 मई को पंचों गये थे अभी तक वापिस नहीं आये हैं शायद जून तक वापसी की सम्भावना है।

आप के चरणों की कृपा से नित्य 8 से 9 बजे तक सत्संग होता है। श्री पद्धराज

Swami Atmanand Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dhamika Samsthan, New Delhi

पं० दामोदर जी तथा शिवराज की ओर से भी प्रणाम। वे
लोग भी सकुशल हैं। रतन लाल जी का फोन आया था
वे भी कुशल मंगल हैं। बाकी श्री राम सिंह जी के घर
२०-२५ दिन दुःख में गया था। उन का छोटा भाई जो यहां पर
पढ़ता था और उन से अलग रहता था, उस ने अप्रैल के
आरम्भ में (२-३ तारीख को) गाड़ी के नीचे आकर आत्म-
हत्या कर ली थी। मैं वैसेही राम सिंह जी से मिलने गया तब
मुझे मालूम हुआ। राम सिंह जी ने बताया कि २ अप्रैल के सवेरे वह
लड़का अपना सामान (बिस्तर आदि) लेकर क्वाटर के पिछली तरफ को जाकर
जाने लगा तो अंदर से राम सिंह जी ने कहा कि अन्दर आजाओ, कहां
जा रहे हो तो उस ने बिना उनकी तरफ देखे उत्तर दिया कि अभी
आया और चला गया। शाम तक जब नहीं लौटा तब उन्होंने इधर
उधर पूछ-ताछ की। कुछ पता न चला। चार अप्रैल को पुलीस ने उन्हें
सूचित किया कि उसने आत्म हत्या कर ली।

आपका चरण सेवक
सीता राम तंवर

पहला मोड़ FIRST FOLD

अन्तर्देशीय पत्र कार्ड
INLAND LETTER CARD

भारत INDIA 20

श्री अमृतवाग्भवाचार्य
द्वारा (C/O) श्री मिश्र गोविन्द
चौबुर्जी, भरतपुर
Bharat-pur (Raj).
पिन PIN

तीसरा मोड़ THIRD FOLD

इस पत्र के भीतर कुछ न रखिए NO ENCLOSURES ALLOWED

प्रेषक का नाम और पता :— SENDER'S NAME AND ADDRESS :—

सीताराम तंवर
बी-६६ नानकपुरा
नई दिल्ली

पिन PIN

9|6|78

दूसरा मोड़ SECOND FOLD

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

श्री:

बी-६६ नानकपुरा
नई दिल्ली
२ जून १९७८

पूजनीय श्री गुरुदेव जी महाराज!

गुरुदेव के चरणकमलों में साष्टांग प्रणाम। पत्र आप का भेजा मिला। पत्र भेजने में विलम्ब बहुत हुआ। क्षमा करें। निर्मला की ओर से प्रणाम स्वीकार करें। आजकल यहां पर मैं और निर्मला ही हैं। बाकी सब घर (गांव) चले गए हैं।

निर्मला की परीक्षा ४-५ दिन हुए समाप्त हुई है। इसी कारण वह अभी तक यहां पर है वरन् वह भी घर चली गई होती। चार पांच दिन के भीतर ही वह भी घर चली जावेगी। भूपाल परीक्षा में पास हो गया है वह कल तक यहां पहुंच जावेगा। अभी वह घर ~~गांव~~ (गांव) में है।

आप अभी भरतपुर ही रहेंगे या शिमला या नालागढ़ की तरफ आप का जाने का विचार है क्योंकि अब तो यहां गरमी बहुत अधिक हो गई। आप का क्या प्रोग्राम है। यदि आप पहाड़ पर जावेंगे तो क्या दिल्ली होकर जायेंगे, लिखें। निर्मला भी रविवार तक घर जाने को कह रही थी। यदि दिल्ली होकर जावें तो लिखें। दामोदर जी कह रहे थे कि बरूआ जी दिल्ली आये थे। आपके बारे में पूछ रहे थे।*

श्री गोविन्द मिश्र जी को मेरी ओर से जय शंकर।

* मैंने उन्हें बता दिया था कि आप भरतपुर हैं।

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

कि 'सप्तपदी' का तात्पर्य 'आग' के – [illegible] और वर-वधू
द्वारा सात परिक्रमाएं करना है। लेकिन ये तो 'फेरे' हैं, न कि
'सप्तपदी'। मेरी बुद्धि काम नहीं दे रही कि वास्तविक स्थिति
क्या होनी चाहिए। कानून के शब्दों की व्याख्या अपने हिन्दू
धर्मशास्त्रों के आधार पर सही क्या हो सकती है – इसका
निर्णय कृपा करके आप दीजिए तो देश के तमाम अबोध लोगों
का कल्याण हो जावेगा। क्योंकि अब मैं सही बात अपनी पुस्तक
में लिखकर 'सप्तपदी' का अर्थ कानून के विद्यार्थियों को समझाना
चाहता हूँ।

दूसरे मैं यह जानना चाहता हूँ कि 'विवाह पद्धति' हमारे
किस वेद में दी गई है – अर्थात 'सप्तपदी' का आदि स्रोत
कौन सा प्रामाणिक ग्रंथ है। उसी में 'सप्तपदी' की सही व्याख्या और
इसको पूरा करने की विधि भी दी होगी।

मैं आपकी सेवा में बहुत ही सूक्ष्म भेंट स्वरूप पूरे
पांच रुपये भेज रहा हूँ। कृपया इसे स्वीकार कर मुझे कृतार्थ करें।

शेष शुभ —

आपके चरणों का सेवक,
[illegible]

अन्तर्देशीय पत्र कार्ड
INLAND LETTER CARD

To
राजपण्डित श्री गोविन्द मिश्र,
चौबुर्जा बाजार,
भरतपुर (राजस्थान)
पिन PIN 321001

पहला मोड़ FIRST FOLD
तीसरा मोड़ THIRD FOLD
दूसरा मोड़ SECOND FOLD

इस पत्र के भीतर कुछ न रखिए NO ENCLOSURES ALLOWED
प्रेषक का नाम और पता :— SENDER'S NAME AND ADDRESS :—

मुन्नालाल अग्रवाल
M.A., M.Com., LL.B.,
[illegible] ग्वालियर (म० प्र०)
पिन PIN 474-001

उत्तर 30-6-76 को
18/6/76

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

॥ श्री ॥

Gwalior
12-4-76.

प्रेषक :- मुन्नालाल अग्रवाल,
M.A., M.Com., LL.B.;
फ़ीलमी बिल्डिंग, जीवाजी गंज,
ग्वालियर (म०प्र०) 474-001

To

राज पण्डित श्री गोविन्द मिश्रजी,
चौबुर्जी बाजार, भरतपुर 321-001

पूज्यनीय मिश्र जी,

सादर चरण स्पर्श। आपके द्वारा भेजी हुई अमूल्य पुस्तक "श्री सप्तपदी हृदयम्" प्राप्त हुई है। इस कृपा के लिए मेरा परिवार और मैं आपका हृदय से आभारी हैं। वास्तव में इस पुस्तक के बारे में मुझे ग्वालियर के श्री रामेश्वर पण्डित जी ने बताया था। वे एक बार श्री खण्डेलवाल साहब की बारात में भरतपुर विवाह सम्पन्न कराने गये थे। वहां पंडित रामेश्वर जी की आपसे मुलाकात हुई थी और आपने उनको यह पुस्तक भेंट स्वरूप दी थी। वे आपको काफी सम्मान देते हैं। और आपको याद करते हैं। शायद आपको उनका ख्याल आ गया होगा। यदि आप उनके लिए दो शब्द लिखेंगे तो उन्हें बहुत ही आनन्द और हर्ष होगा।

मैं कानून की पुस्तकों को लिखने का प्रयास करता रहता हूँ। कुछ प्रकाशन के रूप में पुस्तकें लिखी भी हैं। आपका आशीर्वाद होगा तो आगे इस दिशा में अवश्य ही सफलता मिलेगी। आपके चरणों की वन्दना करके आपसे आशीर्वाद मांग रहा हूँ। आशा है आप अवश्य ही आशीर्वाद देंगे।

'हिन्दू विधि' में विवाह के एक आवश्यक संस्कार 'सप्तपदी' को 'हिन्दू विवाह अधिनियम, 1955' के धारा सात में बताया है। इसमें यह लिखा है —
"Saptapadi (सप्तपदी) that is, the taking of seven steps by the bridegroom and the bride jointly before the sacred fire." ये शब्द कानून में लिखे हैं। इन शब्दों की व्याख्या लेखकों ने यह की है

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

तक विवाह नहीं हो सकेगा
सं. के कुंभ के गुरु १२ भाव में
आ जावेगा.

शेष सब समाचार सब कुशल
हैं योग्य सेवा से अनुगृहीत करें

आपका —
आज्ञाकारी

पं० भगवती प्रसाद ज्योतिषी
भृगु ज्योतिष कार्यालय कालका अध्यक्ष.

यदि आप उचित समझें तो आपके
पास जब जैन साहब पहुंचें गें
तो उनके हाथ ही पुस्तक को
भेजने की कृपा करें।

अन्तर्देशीय पत्र

इस पत्र के अन्दर कुछ न रखिये

POSTAGE 10 NP १० नये

C/o Vaid Brahaspati Triguna

سیوا میں شری گوبند شرما معرجی
معرفت وید برہسپتی دیو ترگنا - بھوگل
ڈاکخانہ جنگ پورہ - دہلی 14
New Delhi

तीसरा मोड़

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

परम पूज्य श्री मान माननीय परम श्रद्धेय श्री जी के चरण कमलों में दासा नु दास का सादर प्रणाम स्वीकार हो

अत्र कुशलं तत्रास्तु-

कृपा पत्र मिला समाचार जाना उत्तर में प्रार्थना यह है कि प्रभु आपको शीघ्राति शीघ्र स्वास्थ्य प्रदान करें।

और आपने मुझ पर कृपा करके जो गुप्त भारत की खोज नामक पुस्तक ले ली है सो यह आपकी अतीव ही कृपा है किन्तु आप लिखें कि मैं उस पुस्तक की कितनी कीमत आपके पास भेजदूं।

दूसरे आपकी आज्ञानुसार सर्व सज्जनों को जै शंकर जी कह दी है और सब सज्जन आप को बहुत याद करते हैं और २१/८/६१ को लाला सीताराम जी जैन शायद देहली आपके पास पहुंच रहे हैं। मेरठ के आपके खरड़ वाले रतनलाल जी की विवाह लग्नपत्रिका करना तय हो गया है और उसके लिए मैंने ३/९/६१ का शाहा बतला दिया है मेरठ के २०/२/६१ के बाद नं. ने. मकर का हो जाता है लड़की का नाम शरला है फिर १२...

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

यहाँ काट कर खोलिये To open cut here →

अन्तर्देशीय पत्र
INLAND LETTER

PATIALA R.M.S. 27-4-60 11.5 AM

१० INDIA

श्री१०८ आचार्यचरण.
c/o,
Sh. Brihaspati dev ji Triguna vaidya
"त्रिगुणायतन-आयुर्वैदिक चिकित्सा केन्द्र"
Bhogal Road-Jangpura
Delhi 14.

तीसरा मोड़ Third fold →

28/4/60

भेजने वाले का नाम और पता :- Sender's name and address :-
Nandlal Shastri, Sanskrit teacher
Govt High School,
Nandpurkesho.
Distt: Patiala
Panjab

DELHI-14 28-4-60 (AM)

28/4/60

इसके अन्दर कुछ न रखिये NO ENCLOSURES ALLOWED

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

श्री: नजफगढ़ (?) के ग्रोत:
दि. 26.5.60

तत्रभवत्पूज्य श्री 108 आचार्य चरणों में सादरं प्रणतिपूर्वक नमस्कार:।
आपका 21-5-60 का लिखा हुआ कृपापत्र मुझे आज स्कूल खुलने पर 26.5.60 को मिला। मालूम होता है, मेरा चलते समय लिखा हुआ पत्र आपको अभी तक मिला नहीं होगा, संभवत: इधर दिन नहीं मिल गया होगा। मैं इसी शनिवार को न आ सकने का कारण उसमें लिख ही दिया था कि मैं एक सप्ताह से चला था, कल 25.5.60 को घर आया हूं। आज चौदह दिन की छुट्टियों के बाद स्कूल खुला है, आप कृपा करके शीघ्र ही पता देने की कृपा करें कि क्या मैं इस शनिवार को दिल्ली आऊं? मदन लाल के आफिस का पता मैंने पहले पत्रों में लिख दिया था, घर का पता नहीं। वह L.D.C. की पोस्ट पर कुल 223 रु. पर कार्य कर रहा है। सैंट्रल एक्साइज (Central Exice) विभाग में क्लर्क है। आगामी सितम्बर में B.A. (English) की परीक्षा देगा। अभी तक वैसे उसने स्पष्ट रूप से विवाह की स्वीकृति नहीं दी, परन्तु मैंने लिख दिया है कि हम अब श्री 108 आचार्य चरणों से अनुमोदित सम्बन्ध स्वीकार कर लेंगे। आपकी आज्ञा का उल्लंघन वह भी नहीं कर सकेगा। यद्यपि उसकी इच्छा B.A. करने के अनन्तर ही सम्बन्ध स्वीकार करने की थी। अस्तु।
[illegible] के पिता को लड़का एक बार अवश्य देखना चाहिए, क्यों कि शरीर की लम्बाई, चौड़ाई, रूप, आकृति देख कर और [illegible] ही काम करने उचित होते हैं। क्यों कि लड़की वाला लड़की को देखकर योग्यायोग्य का पता कर लेता [illegible] तो केवल लड़के का ही पता होता है। तो उन्हें लड़का [illegible] चाहिए। [illegible]

आप कब तक दिल्ली में रहेंगे? यहां भी पत्रों [illegible]
अपना पत्र व्यवहार का पता अवश्य लिखने की कृपा करें।

भवदीय
नन्दलाल:

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

श्रीः नजफगढ़ से प्रोत:
दि॰ 26.5.60

तत्रभवत्सु श्री १०८ आचार्य चरणेषु सादरं प्रणतिकृतयः समुल्लसन्तु।

आपका 21-5-60 का लिखा हुआ कृपापत्र मुझे आज स्कूल खुलने पर 26.5.60 को मिला। मालूम होता है, मेरा बनारस से लिखा हुआ पत्र आपको अभी तक मिला नहीं होगा, सम्भवतः इधर दिनों ही मिल गया होगा। मैंने इसी आशंका के न आने के कारण उसमें लिख ही दिया था कि मैं एक सप्ताह में चल रहा था। कल 25.5.60 को घर आया हूं। आज चौदह दिन की छुट्टियों के बाद स्कूल खुला है, आप कृपा करके शीघ्र ही पता देने की कृपा करें कि क्या मैं इस आशंका को दिल्ली आऊं? मदनलाल के आफिस का पता मैंने पहले पत्रों में लिख दिया था, घर का पता नहीं। वह L.D.C. की पोस्ट पर कुल १२३ रु॰ पर काम कर रहा है। सैन्ट्रल एक्साइज (Central Exice) महकमे में क्लर्क है। आगामी सितम्बर में B.A.(English) की परीक्षा देगा। अभी तक वैसे उसने स्पष्ट रूप से विवाह की स्वीकृति नहीं दी, परन्तु मैंने लिख दिया है कि हम अब श्री १०८ आचार्य चरणों से अनुमोदित सम्बन्ध स्वीकार कर लेंगे। आपकी आज्ञा का उल्लंघन वह भी नहीं कर सकेगा। यद्यपि उसकी इच्छा B.A. करने के अनन्तर ही सम्बन्ध स्वीकार करने की थी। अस्तु।

लड़की के पिता को लड़का एक बार अवश्य देख लेना चाहिये, क्योंकि लड़के के शरीर की लम्बाई, चौड़ाई, रूप, आकृति इत्यादि देख कर और मिलान करके ही सम्बन्ध करना उचित होता है। क्योंकि लड़की वाला दोनों (लड़के, लड़की) को देख कर ही सम्बन्ध का पता चल सकता है, लड़के वालों को तो केवल लड़के का ही पता होता है। तो उन्हें लड़का अवश्य देख लेना चाहिये।

आप कब तक दिल्ली में रहेंगे? जहां भी पधारें अपना पत्र व्यवहार का पता अवश्य लिखते रहने की कृपा करें।

भवदीय
नन्दलाल!

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

ॐ ज्वालामुखी
१८ पौष २०१७.

श्रीमत् माननीय पूज्यपाद पंडितजी
सादर प्रणाम.

पूमत्र कृतास्त : स्नेहपूर्ण कृपा पत्र मिला.
यह आपकी महानता बहुत दया है कि कभी २
मैं पत्र न डालते पर भी स्वयं पत्र भेज देते है
श्री पूज्य आचार्य चरणों में मेरी ओर से
चरणवन्दना कर देवें. ईश्वरकृपा करे ताकि
श्री आचार्य जी का स्वास्थ्य उत्तम बना रहे. इनके
घूमने फिरने से भूमि पवित्र - वातावरण शुद्ध
और दासजनों को शांति अवश्य प्राप्त होती
रहेगी. [illegible] इस ओर कब तक श्री आचार्यचरणों
का आगमन होगा? श्री श्री विद्यानंदजी का शास्त्र
का पाठ दूसरी बार कर चुका हूं. परन्तु जब
तक प्रतिदिन मनुष्य स्व-रूप को न जान सके
और जाग्रदवस्था के भाव इत्यादि में भावी -
दुःखी होता रहे तो उसके लिये "आत्मस्वरूप
भुव प्रति केवल नित्य आत्मनि - स्वकला
कल्पितानीति विलसंत्यपि संति नो" यह
शास्त्र पाठ मात्र ही रहेगा। छड़ मीठा होता है
इतने मात्र से थोड़े ही आनन्दानुभव हो सकता है

अन्तर्देशीय पत्र
INLAND LETTER

श्री पं. गोविंद मिश्र जी
C/O श्री वैद्य व् हर्षीत देव जी (त्रिगर्त)
मोगल रोड
पो. जंगपुरा
देहली नं. १४

तीसरा मोड़ Third fold

भेजने वाले का नाम और पता :- Sender's name and address :-
नन्दकिशोर वै.
ज्वालामुखी
जि. कांगड़ा (पंजाब)

DELHI 3-1-61 10.30 AM

इस पत्र के अन्दर कुछ न रखिये NO ENCLOSURES ALLOWED

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

मैं अपने तो इस विषय में कुछ प्रयत्न नहीं हो
सकेगा. पर "सकृदेव प्रपन्नाय तवास्मीति च
याचते। अभयं सर्वभूतेभ्यो ददाम्येतद् व्रतं मम॥"
इसका स्मरण करके "शरणागत को हैं बचाते सभी"—
फिर कैसे हो तुम, मोरी मां।

हम छोड़ें भी चरण तुम्हारे नहीं,
फिर कब लों न दया उर धारोगी मां!!

श्री आचार्य चरणों का प्यासा हूं।

चीन में काफी कष्ट हुआ है. लड़के सोमदत्त
का विवाह २३ माघ का निश्चित हुआ है. आप
अपनी आशीर्वाद यदि भेजें तो कृपा करें।
~~किसी से कहा~~ विषाद क्या लिखूं।

मैं अपने मन की स्थिति को किन शब्दों में
प्रकट कर सकता हूं। शायद ऐसे ही श्री-
आचार्य जी के [illegible] न्यून
है कि आत्मविश्वास श्री श्री विद्यापीठ का पालन
आदि पर कार्य भी अर्पण नहीं हूं। [illegible] इसी भांति
पत्र देकर कृपा करते रहें।

आपका सेवक [illegible]

मन्दाकिनी, १ फ[illegible]

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

यहाँ मोड़ पर खोलिए TO OPEN CUT HERE →

अन्तर्देशीय पत्र कार्ड
INLAND LETTER CARD

भारत INDIA 20 20

सेवा में-
पूज्यनीय गुरुजी
C/o श्री सीताराम जी
बी-५६, मानकपुरा
नई दिल्ली
पिन PIN

पहला मोड़ FIRST FOLD

दूसरा मोड़ SECOND FOLD

तीसरा मोड़ THIRD FOLD

इस पत्र के भीतर कुछ न रखिए NO ENCLOSURES ALLOWED

प्रेषक का नाम और पता :— SENDER'S NAME AND ADDRESS :—

ज्ञानमोहन गुप्ता
C/o मै. हेल्थ सेन्टर
चौक, मुंगेर (बिहार)

पिन PIN

18/1/76

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

1

१८-१-६६
मुंगेर -(बिहार)

पूज्यनीय गुरुजी,
सादर प्रणाम

आज श्री शिवराज जी का पत्र प्राप्त हुआ और विदित हुआ कि आप दिल्ली में ही हैं, जानकर अपार हर्ष हुआ है। व्यापार कार्यवश फरवरी (अन्तिम सप्ताह) से पहले आना सम्भव नहीं हो सकेगा। अगर आपकी दया हुई तो आपका दर्शन हो सकेगा, क्योंकि कुछ उलझनों के कारण श्री शिवराज जी के पास जाना सम्भव नहीं हो सका, इस धृष्टता के लिए आपसे क्षमा चाहता हूं।

आगे आदरणीय श्री पंडित जी मेरे साथ बिहार के दौरे पर आए थे, उनका अमृतमय प्रवचन बिहार के कई बड़े नगरों में विधिवत उत्साह पूर्वक सम्पन्न हुआ। मुझे आगे आसाम तक जाना था और के बड़े स्टेशन पर कम से कम १० दिन लग जाते थे, इसलिए गुरुजी के आगे मेरे साथ न चलने का संकल्प ले लिया और वैद्यनाथ धाम से वापिस गए हैं, श्री शिवराज जी का पत्र मैंने उनको भेज दिया है, वह आपके बारे में जानने के लिए बहुत समय से चिंतित थे, अतः या तो वह स्वयं आपके पास दिल्ली आयेंगे या पत्र लिखेंगे। अपराधों को क्षमा करें।

बुधवार ता० २१ को आसाम मेल से मैं सिलीगुड़ी (W.B.) चला जाऊँगा।

आपका सेवक-
शिवानंद झा

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

जोधपुर

आदरणीय मौसाजी एवं मौसीजी

सादर नमस्कार

आज ही आपका पत्र प्राप्त हुआ। हम सब लोग यहाँ पर स्वस्थ हैं एवं आप लोगों की प्रसन्नता ईश्वर से नेक चाहते हैं।

यह कैसा नियति विधान है कि मुझे अपने भाई-बहनों के विषय में ही कुछ जानकारी नहीं है। मैंने ही पत्र लिखने में पहलकदमी की है, अतः मैं आशा करती हूँ कि अपना परिचय लिखते हुए पत्र का प्रतिउत्तर अवश्य ही मुझे हर भाई-बहन से मिलेगा।

मौसीजी! आप भी समय निकाल कर कभी कभार ही सही पत्र लिख दिया करें।

मेरी परीक्षा 18 अप्रैल से एवं बीना की एक मई से है। यहाँ पर हमने अभी दुर्गा पूजन किया है। मम्मी आपको याद कर रही है। पत्र अवश्य लिखें।

आपकी

भारती [illegible]

यहाँ काट कर खोलिए TO OPEN CUT HERE

अन्तर्देशीय पत्र कार्ड
INLAND LETTER CARD

भारत 20 INDIA 20

पं॰ श्री देवी प्रसाद जी बोहरा सारस्वत
बंगला नं॰ B-137, जनता कॉलोनी
जयपुर-4
302004 पिन PIN JAIPUR

तीसरा मोड़ THIRD FOLD

इस पत्र के भीतर कुछ न रखिए NO ENCLOSURES ALLOWED

प्रेषक का नाम और पता :— SENDER'S NAME AND ADDRESS :—

[illegible]
[illegible]
जोधपुर

पिन PIN 342003

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

श्री:

शिवोदय भवन (व्यास जी का नोहरा)
चौपासनी रोड, सरदारपुरा
जोधपुर 342003
दि. 15.4.78

प्रियवर श्री देवीप्रसाद जी,

सस्नेह नमस्कार।

आपका कृपा-पत्र अभी मिला। आवश्यक होने के कारण तुरन्त उत्तर भेज रहा हूँ। महाष्टमी के पाठ के विश्राम से उठकर उत्तर लिख रहा हूँ जिससे कि यह सोमवार तक अवश्य मिल जाय। एक पत्र कल ही मैंने पं. दुर्गादत्त जी के पते पर भेजा है; आपने जो बात आचार्यचरण के बारे में पूछ कर लिखी सो कुछ भ्रान्ति हो गई है - पं. दुर्गाप्रसाद जी के बारे में किस स्तोत्र की बात हुई यह ध्यान नहीं आ रहा। वहाँ पर मैंने यह निवेदन किया था कि जोधपुर में पं. बलजिन्नाथ के दामाद श्री द्वारकानाथ पण्डित मैनेजर स्टेट बैंक के रहते हैं, उनका स्थानान्तरण चण्डीगढ़ हो गया है, वे वहाँ हैं आनन्दी, यह सूचना जोधपुर से भेजूँगा, सो यह सूचना श्री दुर्गादत्त जी को लिख दी है कि श्री डी. एन. पण्डित जोधपुर से चण्डीगढ़ चले गये हैं परिवार यहीं है, 17 मई के बाद ये लोग भी चण्डीगढ़ चले जावेंगे यदि आचार्यपाद जोधपुर पधारते हैं तो यह स्थान मिलने पर उन्हें भी दे दूँगा [illegible] बात नहीं हुई, जो मैंने लिख दी है।

स्तोत्र की बात भिन्न है। [illegible] प्रणीत श्रीमन्दाक्रान्तास्तोत्र की हिन्दी टीका मैंने लिखी है, यह पुस्तक [illegible] मित्र छपाना चाहते थे अपने व्यय से - इसकी प्रेस कॉपी Fair तैयार कर मैंने उन्हें भेज रखी है, पिछले वर्ष उनका स्थानान्तरण डूँगरपुर से आबू हो गया, कुछ अन्य कारणों से वे परेशान रहे - प्रकाशन अभी तक नहीं हुआ है, लेकिन हो जायगा, नहीं तो मैं स्वयं करा दूँगा।

आचार्यचरण के एक श्रेष्ठ शिष्य पं. बलजिन्नाथ जी ने 'श्रीमहानुभवशक्तिस्तव' पर एक लघ्वी टीका लिखी है, यह भी वर्षों से मेरे पास थी, मिल नहीं रही थी, मिल गई है, इसका हिन्दी अनुवाद भी तैयार है, कुछ Finishing Touch देना बाकी है, मैंने श्री बलजिन्नाथ जी को भी इसके लिये लिखा था, उन्होंने कुछ और संस्कृत टिप्पणी तथा उपोद्घात लिख कर 5, 7 दिन पहले भेजी है, इसका अनुवाद और तैयार करके इस संस्करण में मेरा हिन्दी पद्यानुवाद और रचना सम्बन्धी श्लोकों के साथ ही प्रकाशन होगा। इन दोनों पुस्तकों को किसी प्रेस में 10, 12 दिन बाद दे दूँगा और दोनों नहीं तो एक पुस्तक का प्रकाशन इस वर्ष में आचार्यचरण के जन्मोत्सव से पूर्व अवश्य हो जायगा। छपने पर पुस्तकों की जितनी प्रतियाँ भरतपुर, जयपुर या शिमला भेजनी होंगी, भेज दी जावेंगी। इन पुस्तकों का वितरण होगा। ये सभी बातें आप मेरी ओर से निवेदन कर दें। यदि श्रीमान् आचार्यचरण के कुछ अन्य निर्देश हों तो उन्हें भी लिख भेजने का कष्ट करें।

श्री गोयल साहब से मैं 2, 3 दिन बाद मिलूँगा, तब जैसा होगा, आपको लिखूँगा।

मैं दि. 7.4.78 को दोपहर को बस से ही आ सका। यहाँ 8.4.78 को विश्राम कर लेना स्वास्थ्य की दृष्टि से अच्छा रहा।

भारती की परीक्षाएँ 19.4.78 से हैं। बच्चों की हो गई हैं, पेपर ठीक हुए हैं। बच्चे प्रणाम लिखाते हैं। इसी प्रकार कभी कभी पत्र लिखते रहा करें।

सौ. शमा जी व बच्चों के लिये स्नेहपूर्ण शुभकामनाएँ, इतिशि।

शुभैषी
[signature]

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

अनुमहादशामें राहुका अन्तर चलरहा है
२०१९ के २७ जेष्ठतक रहेगा आपने मेरे को एकबार
कहाथा कि इसका विवाह २२ वर्षके बाद करना २२मा
वर्ष तो २१ चैतको खतम होजावेगा राहुका अन्तर
१ वर्ष कुछ और रहेगा रिस्ते शादी वाले जोर लगारहे है
मैंने तो सभीको एसा कहा है कि मैं विवाह १९६३
के नवम्बरमें ही करूंगा राहुअन्तर निकलनेपर वर्षभी
कासीका चौथा रहेगा क्या यह ठीक है आपकी
सम्मति क्या है वैद्य कंस
छोटे लड़केके केवल राहु अन्तर
से दिक्कत है केतुअन्तर २०१८ के २६ भादों तक
चलेगा इसके प्रभाव तो उससमय दिखा था का
तीन दिन आक्षेपोंका दौरा हररोज ८ बजे होता
रहा होमियोपैथिक दवासे बंद होगया पुनः अब
तक दवा चालू है पुनः आक्रमण नहीं हुआ इसका
होमने मैं प्रातः संध्या १ माला गायत्री के
बाद १ माला महामृत्युंजयकी भी नित्य जपता हूं यह
बालक प्रेमपूर्वक करता भी है एक मैंने आपके विचार
सभी शीघ्रता करली है बेशक आपकी आज्ञा भी थी
वो यह है कि गत सूर्यग्रहणमें स्नान आदि करवाके
कुशासनपर बैठाकर ॐ ह्रीं बटुकाय आपद्धारणाय
कुरु कुरु बटुकाय ह्रीं इसकी ११ मालायें करवाई अब
नित्य १ माला करता है क्या यह ठीक है

EXPRESS DELIVERY

अन्तर्देशीय पत्र
INLAND LETTER

2035

POSTAGE INDIA 10 nP
POSTAGE INDIA 13 nP

To

श्री अनन्त वामनजी, मार्फत
~~Narayan Lal Jain,~~
C/o वैद्य कन्हैयालाल देव
~~Budh Ki Hat~~
मोगल रोड़ जंगपुरा
~~Bharatpur~~
देहली नं. १४
(~~Rajasthan~~)

पहला मोड़ First fold

तीसरा मोड़ Third fold

दूसरा मोड़

भेजने वाले का नाम और पता :- Sender's name and address :-

25/3/61

इस पत्र के अन्दर कुछ न रखिये NO ENCLOSURES ALLOWED

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization: eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

२५-३-६१

ॐ

श्री पूज्य चरणों मे चान्द्रगानकी

कोटिशः प्रणाम

आपके स्वास्थ्यके सम्बन्धमें अहर्निश
ध्यान रहता है श्री गोविन्द जी के पत्रसे
ज्ञात हुआ था कि पहलेसे कुछ ठीक
होरहे हैं चिन्ता की कोई बात नही है
आप सुविधा होनेपर दर्शनार्थ जब आना
चाहें आवें क्षमा चाहताहूं कि जब आनेका
प्रोग्राम बनाताहूं तभी कोई न कोई विचारों
का रूप बिगड़ जाताहै उसीमें उलझ जाताहूं
कुछभी नही सूझ रहा न तो इनसे प्रभु
पिछाही छुडाते है नही स्वास्थ्यही देतेहै
पता नही कैसा भोग चल रहा है
अभि क्या क्या परिक्षायें देनी पड़ेगी
पिताजी की अर्थकेश हाय हाय हरसमय
शीरपर क्योंकि वह [illegible]

नहि बैठ सकते है सुबहही ८ बजे दुकानपर मेरेपास ही
अन्दर बैठजाते है ११ बजेतक यहि ध्वनी सुनतारहताहूं
१ बजे भी आजाते है ५ बजेतक। दिनकी यह हालत है
घरमे भोजकी बाबत आज पसीने आरहे है आज दर्दें
लगी हैं आज बोल नही निकलता इत्यादि इत्यादि
मधुसूदनजी की प्रचण्ड चेष्टायें तो वातावरणही
विक्षुब्ध करदेती हैं जब शुरू होजांय
क्या क्या सुनाउं आप सर्वज्ञ है अतः परिवार
की इच्छापूर्तीयों केलिये अथक परिश्रम करते
हुएभी अपूर्ण ही रहती है आमदन व्यय अधिक
रहती ही है चित्त कहता है श्री चरणों के दर्शनार्थ
हाजिर होऊं आपकी इच्छा होनेपर सेवक समय
पर सकेगा ऐसा विचार है तभी ~~[illegible]~~ हाजिर होऊंगा

~~[illegible]~~ कृपया स्वास्थ्य का पता दें और साथही
यहभी लिखें कि आप कबतक देहलीमे ठहरेंगे

नं २ मेरा बड़ा लड़का जो आयुर्वेदिक कालेज
पटियालेमे द्वितीयवर्ष समाप्त महिने बाद अगले
तृतीय वर्षमे जावेगा उसकी लग्न मेष है
लग्नमें ~~[illegible]~~ चलितमे लग्नमे सूर्य शनिहै १२ मीन
मे शुक्रहै १० मे मंगलहै ६ का चन्द्रमा है अष्टम
राहु है बुध वृहस्पति लग्न द्वादश संधिमे है

[illegible]

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

अन्तर्देशीय पत्र कार्ड
INLAND LETTER CARD

सेवा में :-

पूज्यपाद श्री अमृत वाग्भवाचार्य जी
द्वारा :- श्री शिवराज शर्मा जी
10/15 ब्लाक
राष्ट्रपति भवन - नई दिल्ली

पिन PIN

पहला मोड़ FIRST FOLD

तीसरा मोड़ THIRD FOLD

इस पत्र के भीतर कुछ न रखिए NO ENCLOSURES ALLOWED

प्रेषक का नाम और पता :— SENDER'S NAME AND ADDRESS :—

16/6/71

नन्दकिशोर वै.
ज्वालामुखी (हि.प्र.)

पिन PIN

अनाज को बरबादी से बचाइये
चूहों, कीड़ों और सीलन से उसकी रक्षा कीजिये
विवरण के लिये लिखिये –
अन्न सुरक्षा अभियान, खाद्य विभाग,
कृषि भवन, भारत सरकार, नई दिल्ली-110001

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

ॐ

ज्वालामुखी
१२-८-७८

श्रीमद् पूज्य आचार्य चरणों में
नन्दकिशोर के प्रणाम स्वीकार हों।

प्रागत्र तत्रास्तु। कुछ दिन पहिले श्री पं. नित्यानंद जी रकाड़ निवासी द्वारा आपका कुशल समाचार मिला। मैं कई कारणों से आपकी सेवा में पत्र न लिख सका जिनमें प्रधान कारण नियत समय पर पूजा न कर सकना भी है। मैं आलस्य या प्रमादवश आपकी शिक्षा दीक्षा जैसा आचरण न कर सका हूं इसलिये लज्जित भी हूं। शायद और अतिरिक्त कोई भी ऐसा व्यक्ति न होगा जो इतने लंबे समय तक आपकी कृपा तथा स्नेह प्राप्त करके भी अपने स्वरूप का अनुभव प्राप्त न कर सका हो। सुना है कि आप नंगल आदि स्थानों पर जाते रहते हैं अब जबभी इस ओर आपका कार्यक्रम बने तो मुझे भी सूचना भेज देवें ताकि मैं वहां आकर आपको ज्वालामुखी ले आऊं।
मेरे योग्य कोई सेवा हो तो लिखें।

दास :-
नन्दकिशोर वै.

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

यहां मोड़ें SECOND FOLD

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

सा हाथ जोड़ कर अर्ज करता हूँ कि जब भी
आप इधर आएँ तो लुधयाना इसी पते पर
पहुँच कर दर्शन देने की कृपा करें। बेशक
मेरे पास मकान भी अच्छा नहीं लेकिन
आप के लिए कहाँ क्या नहीं हो जाता।
बाकी मैं हर तरह ठीक हूँ, शान्त हूँ
और कोई ऐसी गडबड वाली बात नहीं है।

अर्ज है

निर्भागों कि मस्तकों के दुर्अक्षरों
को मिटा कर सुभाग्यता देने वाले श्री
चरणों की रज का अभिलाषी।

श्री चरण कमलों का दास।

श्री बन्के लाल
रतन लाल
और भी जो सज्जन है
उनको जय शंकर।

दास

अन्तर्देशीय पत्र
INLAND LETTER

POSTAGE 10 nP INDIA १० नप

17/1/68

श्री जी
C/o V.D. Bakhsi Kothi No. 33A
Hindustan Housing Factory
Jangpura – 14
New Delhi – 14.

पहला मोड़ First fold

तीसरा मोड़ Third fold

भेजने वाले का नाम और पता :– Sender's name and address :—
Ramji Das
C/o Prem Chand Ved Parkash
(Cloth merchants)
Gill Road Dashmesh Nagar.
Ludhiana.

इस पत्र के अन्दर कुछ न रखिये NO ENCLOSURES ALLOWED

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

श्री

लुधयाना
17-1-68.

श्री चरण कमलों में अनन्त बार प्रणाम.

श्री जी सब से पहले आप का पता श्री बाबु सन्तरामजी बोलागढ़ से मिला। अभी दो दिन ही हुए थे कि फिर आपका पत्र मिला। बहुत बहुत प्रसन्नता प्राप्त हुई। उस समय मैं एक शादी के कमरे सी रहा था। बारात दूसरे दिन जानी थी। आशा थी कि आपके दर्शन कर सकूँगा। इसी कारण खत भी नहीं डाला था। मगर कामकाज शादी वालों का और बढ़ गया। इस कारण से रोपड़ न पहुँच जा सका। ख्याल किया कि मैं देहली को पत्र डाल दूं। फिर उसके कुछ दिनों बाद आपका सन्देष ले कर श्री रतन लाल जी लुधयाना पहुँचे। मगर मैं उन्हें घरपर न मिल सका। घर वालों ने उन्हे ठहरने के लिये कहा तो वह एक मिनट से ज़िआदा न ठहरे। आपके चंडीगढ़ के निवास का पता और सन्देश एक पत्र पर लिखकर चले गए। चूँकि वह अधिक देर न ठहरे थे और घर वाले भी उन्हें बता न सके कि दास बीमार है। मुझे श्री रतन लाल जी के जाने के बाद बीमारी की हालत में दर्शन न करने का बहुत दुख हुआ। अब एक सप्ताह हो गया है। मैं अब ठीक हूँ। लगभग एक महीना काफ़ी बीमार रहा। यह सब कुछ निरसन्देह आप को सुना रहा हूँ। बाकी दिल की अवस्था आप से छुपी हुई भी क्या है।

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

... Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

21/12/67 New Delhi
Shri ...

पूज्य श्री १०८ गुरु जी महाराज
के चरणों में जै श्रीमंनार जी।।
मैंने खत में जो राम नमो
लिखा था मगर अभी तक
कोई जबाब नहीं आया
और नहीं कोई तार
मेरे जाने की निसबत
है अब जीवन प्रभर
आप का हकदार हो किस
वापसी जबाब पत्र का
जरूर देवो आपका सेवक
... लाल

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

अन्तर्देशीय पत्र
INLAND LETTER

इस पत्र के अन्दर कुछ न रखिये NO ENCLOSURES ALLOWED

भेजने वाले का नाम और पता :- Sender's name and address :-

तीसरा मोड़ Third fold

पहला मोड़ First fold

ॐ

श्री चामुण्डा
पोथीघर
16-9-61

श्रद्धेय पूज्यपाद आचार्यवर्य श्री श्री चरणों की सेवा में साष्टांग असंख्य प्रणाम।

मैं कई वर्ष हुए हैं एक कुटिया अपना स्थान बनाकर श्री चामुण्डा जी में ही रहता हूं। कदाचित आने जाने वाले महात्मा लोगों से (जो कुछ विद्वान हों) आपकी चर्चा अतीत कालीन कुछ स्मृतियां भी वर्णन करता हूं। एक उत्तम पुरुष भ्रमण करते इधर आये उन्होंने आपकी चर्चा में आपका पता मुझे लिखवाया था। वे तो अति शीघ्र ही चले गये थे परन्तु मैंने आपको पत्र लिखने का साहस कर लिया है। यदि आपको कुछ भी हमारा स्मरण हो तो एक बार श्री चामुण्डा जी में दर्शन देकर कृतार्थ करें केवल मात्र आप का दर्शन का अभिलाष अवशिष्ट है। हमारे पुराने सहयोगी अस्त हो चुके हैं यथा "पं. पद्मनाभ, चन्द्रमणि, नित्यानन्द प्रभृति अनेक" हम भी अस्ताभिमुख हैं यदि अपने पवित्र चरण कांगड़ा भूभाग पर पड़ें तो इस प्रदेश का फिर कल्याण संभव है।

आपके सहयोग की घड़ियां स्मरण होते ही सताती रहती हैं कि कर्तव्य विमूढ होकर आपके अज्ञातवास से बड़ा कष्ट है। हम पर एक बार दया की दृष्टि करना और

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

दर्शन देना उससे पूर्व पत्र द्वारा हमें सूचित करना
चामुराडा में एक वर्ष से बड़े विद्वान् त्यागी सत्पुरुष
विवेकानन्दानुयायी भी आपसे मिलने की प्रबल
उत्कण्ठा रखते हैं स्थान के उद्धार और कांगड़ा से
प्रकाशन की प्रबल उत्कण्ठा उनके हृदय में बड़े
साहस के साथ है एक पत्र के प्रकाशन की कुछ
सामग्री एवं प्राचीन अर्वाचीन पुस्तक संग्रह तथा
विद्यालय योगाश्रम प्रभृति अखिल भारतीय योजना
का विचार उनका है। जनकल्याण राष्ट्रोद्धार कार्यों
में आपसे उनका संयोग भी नितान्त आवश्यक है
यदि तात्कालिक मिलन कठिन हो तो पत्र द्वारा भी संयोग
भारी कार्य करेगा। अधिक लिखना प्राकृतिक नहीं है।
पं. चानणदास मसलोटीवाला शास्त्री. बी.ए. बी.टी. की परीक्षा हम पास कर चुके हैं नागोटा स्कूल में ही हैं
मैं हूं आपका अतीतानुकंपा पात्र
अवस्थी बदरीदत्त शर्मा चामुराडा निवासी

पं. गोविन्दजी मिश्र की सेवा में
प्रणाम।

यदि अमृत वाग्भवाचार्य (पं आनन्दस्वरूपजी) महाराज
आपके यहां हों तो अथवा और कहीं हों तो यह पत्र उन तक
पहुंचाने की चेष्टा करें और मुझे पत्र लिखें यदि इसका
कोई उत्तर नहीं पाऊंगा तो यह समझकर कि मेरा पत्र
आपको नहीं मिला है मैं इसी पते पर आपकी सेवा में
जवाबी कार्ड लिखूंगा। मेरा पता पं. बदरीदत्त शर्मा
अवस्थी [illegible] कार्यालय श्री चामुराडा पो. डाढ
जि. कांगड़ा (पंजाब)

(पुनश्च)

श्रीमान् आचार्यवर्य की सेवा में

हमें पूर्ण विश्वास है कि आप हम को (चातक को जलद इव) निराश नहीं करेंगे। आप अपने जीवन ध्येय, ब्रह्मानंद इत्यादि लोकसंग्रह में यदि यहां आने से बाधा प्रतीत करें तो भी सकारण सूचित करें। हम को तो आपको मिलने से आपके ही ध्येय की सिद्धि संभावित क्या अवश्य भावी प्रतीत होती है। यदि आप अपने अज्ञातवास को ही सुरक्षित रखने में निमग्न हों तो अत्यन्त अनुकूल तथा परिपूर्ण विधि का समर्थ सुव्यवस्था सहज रूप से ही की जायगी। केवल आपके निर्देश की प्रतीक्षा है एक बार अवश्य अनुग्रह पूर्वक लिखें जैसा भी संभव हो हो जायगा। कार के द्वारा किसी भी स्टेशन से आपको गुप्त रूप से लाकर एकान्त में सब प्रकार की सुविधा पूर्वक अपनी योजना आदि का विचार विमर्श कार्यान्तरण आदि हो सकेगा। अधिक लिखना व्यर्थ है।

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

अन्तर्देशीय पत्र
INLAND LETTER

POSTAGE 10 nP INDIA १० नप

Balji nath
Professor
college
Ang

सेवा में
श्री महात्मा जी श्री अमृतवाग्भवाचार्य जी महाराज
c/o पंडित बलजिन्नाथ जी शास्त्री
एम० ए० एम० ओ० एल०
प्रोफेसर अनन्तनाग कालेज
अनन्त नाग (काश्मीर)

Anantnag

First fold पहला मोड़

Second fold दूसरा मोड़

तीसरा मोड़ Third fold

भेजने वाले का नाम और पता :— Sender's name and address :—

From! —
प्रकाशवती
F/54
कालकाजी
नई देहली 19

17/7/62

इस पत्र के अन्दर कुछ न रखिये NO ENCLOSURES ALLOWED

खोलने के लिये यहां काटिये To open cut here

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

सेवा में

F/54
कालकाजी
17. 8. 62

श्री अनन्त श्री विभूषित श्री श्री महाराज के चरण कमलों में इस जन का प्रणाम निवेदन हो। बहुत समय हुआ जबकि आपने हमारे यहाँ पधारने की कृपा की थी मगर मैं अभागिन के दर्शनों का सौभाग्य न प्राप्त कर सकी। सो प्रार्थना है कि शीघ्र ही देहली पधारने की कृपा करें ताकि हम लोग भी दर्शन लाभ कर सकें। मेरी बड़ी हार्दिक अभिलाषा है कि आप दो एक दिन मेरे यहाँ ठहर कर कृतार्थ करें। मगर यह सौभाग्य भी आपही के अनुग्रह से प्राप्त होसकेगा। मगर फिर भी आपकी इच्छा पूर्ति की आशा रखती हूँ।

निवेदन है कि जो कुण्डली श्री गोविन्द जीको दिखाई थी वहाँ से कोई भी उत्तर प्राप्त न होसका। ऐसा प्रतीत होता है कि वे लोग कुछ शायद टालना चाहते हैं। क्योंकि अभी तक कोई भी निश्चयात्मक उत्तर नहीं मिल सका। सो आप ही इस ओर ध्यान देकर चिन्ता निवारण कीजिये। यही प्रार्थना है। शेष आपकी दया है। सब बच्चों की ओर से प्रणाम निवेदन है।

निवेदिका

प्रकाशवती

F/54 कालकाजी

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

[illegible]

Sri.

V. D. Bakshi jee

33. Hindusthan Housing Factory

Staff Colony - Jangpura.

Jangpura

X. New Delhi.

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

जयतु जगन्मंगलं हरेर्नाम ।

C/o K.S. PrakasaRao
Tele.phone Exchange
Tadepalligudem
West godavary. Dt
A.P

श्री महामहिम श्री आचार्यजी के कृपापात्र
श्रीयुत वि.डि. बकशी जी को सकुटुंब नारायणस्मरण

प्रकाशराव जी के नाम से लिखा पत्र मुझे पढ़कर के सुनाये थे, श्री आचार्यजी को मेरा ओं नमोनारायण, कह दीजियेगा।

यहाँ पर मेरा शरीर में होमियो दवा का विशेष लाभ पहुँचा हुआ है फिर भी डाक्टर जी के छः महीने संकीर्तन आने का मनाही थी। श्री महामहिम आचार्य जी के आत्म विलास से हमें बहुत लाभ पहुँचा है, मेरा जीवन में उनके साथ रहकर थोड़ा समय उनका सेवा करने का सुअवसर प्राप्त हुआ था, मैं उसको भगवान की बड़ी भारी दया समझ रहा हूँ। दिल्ली में जो महानुभाव श्री आचार्य जी के प्रेमी हैं जो आपके पास आते हैं उनको सब को मेरा ~~ओं~~ नमो नारायण

श्री आचार्य जी दिल्ली आ जायें तो मेरे नाम को पत्र जरूर लिखियेगा।

स्वामी अवधूतेन्द्रसरस्वती.
3.3.69
ताडेपल्लिगूडेम

जयतु जगन्मंगलं हरेर्नाम ।

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

सेवामें :

श्री परमपूज्य प्रानन्द जी.

देहली.

नम्रनिवेदक.

(द्वारा)

पं० हरदेव शर्मा त्रिवेदी

श्रीस्वाध्यायसदन

सोलन (हिमाचल प्रदेश)

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

ॐ

सोलन
२५ फाल्गुण २०१०.

श्रीमन् परम पूज्य आचार्य जी दास नन्दकिशोर का चरण वन्दना वाचें। तदनंतर निवेदन है कि कई वर्ष से आपने कोई भी कृपा पत्र नहीं भेजा- न जाने क्या कारण है। आप मुझे कभी न कभी पत्र अवश्य भेज दिया करें - ताकि कुछ न कुछ प्रेरणा तो मिल सका करे। लगभग १-२ वर्ष पूर्व मालूम हुआ था कि आप ज्वालामुखी आयेंगे पर आये नहीं। १३ वर्ष पूर्व आपने कृपा करके दर्शन दिये थे - उस समय मैं आपसे विशेष लाभ न उठा सका। यात्रा करने में कष्ट होता ही है इसलिये मैं [illegible] विशेष आग्रह पूर्वक ज्वालामुखी आने के लिये न कहूंगा। आप से [illegible] जो कुछ भी स्नेह है वह स्वस्वार्थ के कारण ही है और स्वार्थी मनुष्य दूसरे के सुख दुःख की चिन्ता नहीं करता है - इसलिये आप जैसा उचित समझें करें। मुझे तो दुःख यही होता है कि जीवन के लगभग ३८ वर्ष पूर्ण हो चुके हैं जिस प्राप्ति के लिये १३-१४ वर्ष से अधूरा प्रयत्न कर रहा हूं मैं अपने प्रमाद से उसे आज तक भी प्राप्त न कर सका हूं और जीवन कभी भी समाप्त हो सकता है - मैंने एक बार आप से कहा था कि त्रिगुणात्मिका प्रकृति ही बलवती होती है आपने कहा था कि पुरुष प्रकृति पर विजय प्राप्त कर सकता है - शंका क्या सत्य है यह अभी तक भी नहीं समझ सका हूं। मुझसे न तो कोई साधना या उपासना हो सके भी नहीं करने की इच्छा होती है जो कुछ स्वाध्याय आजकल करता हूं सम्भवतः न वह छूटेगी

श्री राधाकृष्ण आचार्य जी
[illegible]

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

मेरी इच्छा थी कि शेष ~~ब्रह्मचर्य~~ जीवन पूर्ण ब्रह्मचर्य पूर्वक बिताऊं
परन्तु ऐसा भी न कर सका हूं केवल शारीरिक मन पर नियन्त्रण होने से
ही ऐसा हो सकता है। अपनी त्रुटियां देखकर मैं स्वयं लज्जित होता हूं।
और यदि मुझमें न्यूनतायें न होतीं तब शायद मुझे आपकी कृपा की
आवश्यकता भी न होती - रोगी के लिये ही औषधि की आवश्यकता
पड़ती है। चातकों की भांति वर्षा की बाट जोहकर यही आपसे
एक प्रार्थना करता हूं कि आप मुझ दीन पर कृपा करके ऐसा आशीर्वाद
दें कि जिससे मुझे शान्ति प्राप्त होजाये - ~~दूसरे जन्म में या मृत्यु के~~
पश्चात् मिलने वाली शान्ति से मुझे कोई लाभ नहीं है। अ[illegible]
भी मेरे दोषों पर विचार न करके मुझसे स्नेह किया [illegible]
वैसा ही बनाये रखें। मैंने यदि जीवन में एक बार भी गुरुदेव [illegible]
से आपसे कृपाभिक्षा मांगी हो तो वह अवश्य मुझे मिलनी चाहिये।
यह बच्चा आपकी शरण में आगया हूं - जैसा उचित हो करें - याचक
को लाज कहां। अन्त में एक बार फिर कह देता हूं कि आपसे स्नेह करने
वालों में सम्भवतः मैं ही अधिक स्वार्थी और निकम्मा का हूं मेरा पत्र
लिखना आदि स्वार्थ के कारण ही है इसलिये मुझे भी ऐसा तो बना दें कि
मैं भी आपसे सच्चा स्नेह कर सकूं - यदि आप हर समय मेरी मानसिक
स्थिति को जानते भी रहें तो उससे मुझे क्या लाभ।

आपका;-

नन्दकिशोर ज्वालापुर निवासी।

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

श्रीः

माघ कृ. सप्तमी भौम.

श्रीमत्सु (श्री) १०८ चरणकमलेषु प्रणतिपुरस्सरम्:

तत्रभवतां आदेशानुसारं निम्नलिखितास्तिथयो मया विलोकिताः, श्रीमतामपि स्वीकृतिं जिज्ञासमानोऽस्म्यर्थये। कलनानि लिखि: श्रीचरणैर्धन्या करिष्यते? कलनक्रम ... २१:१ किं चापेक्षितं वस्तुजातम्? सर्वमपि निश्चित्य बोधनीयोऽयं जनः।

माघ शुक्ल २-३ तिथी
फा. कृ. २-३-६-१२ तिथयः.
फा. शु. ६ तिथि:

अग्रिमवर्षे ३ पर्यन्ता तिथयश्च विलोकिताः तत्रापि श्रीचरणाः प्रमाणम्, परिवर्तयितुं श्रीचरणाः प्रभवः।

पत्रप्रदानेनानुग्राह्योऽयं जनः.

वशंवदो [illegible]:

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

॥ श्रीः ॥ २०२१

दि० 22.10.62

श्रीमन्तो भगवन्तः श्री १०८ आचार्यचरणाः ।

श्रीचरणेभ्यो [illegible] प्रणतिकुसुमोपहाराः ।

आयुष्मन्मदनलाल द्वारा श्रीमतां सन्देशः प्राप्तः, यदा श्रीमतां पत्रं चैकमासात् नागतम् ततः समायातमभूत् तदा [illegible] सम्प्राप्त. परं मया पत्रं नोऽलिखितम्, आगत्य श्रीमतां पत्रं मया लब्धं पठितं चाऽभूत् श्रीमतां स्वास्थ्य समाचारोऽपि विदितोऽभूत् । [illegible] पत्रोत्तरदानार्थं आगामि पत्रे [illegible] लिखितमस्ति अतः प्रत्युत्तरदानेऽयं विलम्बोऽभवत् । स्वयमप्यहं इच्छामि श्रीचरणदर्शनम्, आगामिजीवनकार्ये आत्मनिश्चयं कर्तुं इच्छामि भवतां सान्निध्ये ।

अधुना ~~द~~ मत्प्राधिकारिकार्यालये [illegible] जाता, इच्छामि ~~अनुग्र~~ शान्तं जीवनम् । कुत्र कदा वा श्रीमतां दर्शनसौभाग्यं लप्स्ये ।

कुशलपत्रम् पत्रे [illegible] च अवश्यं लिखितव्यम् इति प्रार्थयति एव जनः ।

श्रीचरणयोर्विनतो [illegible] :

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

यहाँ काट कर खोलिये To open cut here →

अन्तर्देशीय पत्र
INLAND LETTER

श्री अमृतवाग्भवाचार्य जी
c/o Shri K. K. Anand,
~~Prof. Baijnath~~
House of Pt. Bauke Bihari ~~Govt. College~~
Gogji Bagh ~~Anantnag~~
SRINAGAR (Kashmir)

← पहला मोड़ First fold →

← तीसरा मोड़ Third fold →

← दूसरा मोड़ Second fold →

भेजने वाले का नाम और पता :- Sender's name and address :—

18/8/60

इस पत्र के अन्दर कुछ न रखिये NO ENCLOSURES ALLOWED

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

ऋषिकेश
कार्तिक [illegible]

श्रीमत्पूज्यपादेभ्यो नमः ।

अनन्तश्रीविभूषित श्रीचरणकमलेभ्यो मे कोटिशः अभिवन्दन ।
निवेदन है कि सामन्त जी ने एक पत्र लिखाया । उसके
आपके नाम पत्राचार की सूचना थी । साथ मेरे पर अनुग्रह
करने की शुभ अभिलाषा भी थी । आपके निर्देशानुसार
हरिद्वार से तीन मील पर बैठना है ऐसा [illegible]
मैं हूँ । जल वायु बहुत उत्तम है । अतः मेरे पास
कृपा हो आकर और [illegible] करें । परन्तु आप [illegible]
जब आवें तो सामन्त जी को साथ न लावें । स्वामी जी
हरिद्वार में [illegible] था पं. नारायणदत्त जी
कैलाशाश्रम से मेरे [illegible] का निवास [illegible]
[illegible] की [illegible] के [illegible] करेंगे तो [illegible]
अवश्य पधारें । [illegible] आप [illegible] नहीं जाना
सामन्त जी [illegible] उनका [illegible] के पक्ष में हैं । [illegible]
राजा [illegible] [illegible] का संस्कार होना चाहता ।
प्रोफेसर [illegible] जी को [illegible]
परिवार को यह [illegible] यह पत्र [illegible]

शिवप्रसाद
मेरा पता
ऋषिकेश
[illegible] - हरिद्वार
पो. [illegible]
[illegible] (सहारनपुर)

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

(2)

I, earnestly, request you, Sir, kindly to let me know from where I [illegible] have or purchase such a श्रीयन्त्र on स्फटिक - [illegible]e oval - egglike - size and shape. It will serve my purpose if such a श्रीयन्त्र is lying idle at the place of somebody and that person does not [illegible] while, I badly need this for my [illegible]

I also request you, Sir, kindly to guide advise me, as to whom should I approach to for taking the मंत्रदीक्षा of [illegible]दीक्षा. Since long, I am also searching for such a [illegible]on, who is the final authority on श्रीविद्या and who might have already reached to the final stage of साक्षात्कार of श्री[illegible]त्रिपुरसुन्दरी.

Please permit me to enclose herewith the postal stamps for reply.

I shall ever remain grateful to you, Sir, for all your kind help & guidance in the matter.

With all due respects & pranams.

Yours obediently

Anant N. Bhatt

(PROF. A N BHATT).

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

Phone No. 4226

Telegram : KOTAKINSTITUTE

COLLEGE UNION.

H. & H. B. Kotak Institute of Science.
RAJKOT.

Prof. Anant N. Bhatt
The Chairman.
College Union.

Ref. No.________

॥ ॐ श्री: ॥

FROM:- Date - -196

Prof. Anant N. Bhatt M.A. etc.
Prof. of English,
24-VIRANI BLOCKS,
20-MILL PARA,
RAJKOT. 2.
(Gujarat)
D: 29-4-68

Parama Pujya Pand[illegible]
Amrit [illegible]
Delhi [illegible],

— my most humble respects & pranāms.

It is with [illegible] deep and profound sense of pleasure and [illegible] our that I venture to write here a few words of humble request to your kind self.

Pujya Panditji Shri Rudra Devji Tripathi of Delhi has kindly given me your address.

I am actively interested in the श्रीविद्या - उपासना and for which, since long, I am searching for a संपूर्ण श्रीयंत्र on स्फटिक.

(P.T.O.)

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

अवश्य लिखा था। अस्तु रु. ५०) का
चैक प्रति रजिस्टर्ड द्वारा भेज रहा
हूँ। किंमत भेजने का कष्ट न करें।

आजकल मुझे मानसिक कष्ट
अधिक हो रहा है। धरम बंधु
राज के लड़की का स्वास्थ्य बहुत
खराब हो गया है। ८ दिन पूर्व कुटुम्ब
के साथ कलकत्ता उपचार या ऑपरेशन
के लिये सबको भेजा है। आर्थिक
कष्ट भी आगे होना संभव है।

यह पत्र किसी अन्य को कहे
नहीं रखना। यदि आप कृपा कर
पत्र कुंडली सहित भेजने की
कृपा करेंगे तो मैं आपका अत्यन्त
ऋणी होऊँगा। शेष कुशल,

आपका आज्ञाकिंकर

तिलकनगर
बिलासपुर } वासुदेवसदाशिव
खानखोजे

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

मान्यश्रीमती श्रीमतां पूज्यपादारविन्दयोः प्रणतीर्निवेदयति। कुशलमादरेण च भवतामाचार्यवराणां पृच्छति।

कृपादृष्टिराधिकाधिकं रक्षणीया मयीति

निवेदकः

श्रीहरिशास्त्री दाधीचः।

जयपुरस्थः।

११।५।६२।

First fold — पहला मोड़

EXPRESS DELIVERY

अन्तर्देशीय पत्र
INLAND LETTER

श्री पूज्यपाद अमृत वाग्भवाचार्यजी महाराज
C/o श्री पं० बलजिन्नाथजी शास्त्री
कुलगाँम कश्मीर

भेजने वाले का नाम और पता :— Sender's name and address :—

११।५।६

पं० श्रीहरिशास्त्री दाधीचः
गोविन्ददासजी की बगीची में
म्यूजियम मार्ग पर रामनिवास बाग के पास
जयपुर (राजस्थान)

इस पत्र के अन्दर कुछ न रखिये NO ENCLOSURES ALLOWED

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

॥ श्रीः ॥

जयपुरतः
११।५।६२।

श्रीमत्सु पूज्यपादेषु आचार्यवर्येषु सप्रणामं प्रणतयः।
पत्रमेकं मया अन्तर्देशीयं प्रहितं, समुपलब्धं
स्यात् तत्रभवद्भिः। तस्य समुचितमुत्तरं नाद्यावधि
[illegible]यको समुपलब्धमिति, उद्विजते मनः। किमत्र हेतु
[illegible]ति गवेषणतोऽपि न ज्ञायते।

श्रीललितासहस्रनाम्नो मुद्रितम्, तदादौ प्राक्
[illegible]नादि, अपि मुद्रितं। स्तवपत्रमपि मुद्रितं।
[illegible]च सहस्रनाममूलपाठोऽपि नियोजितः सोऽपि मु-
[illegible] किञ्चन सम्मान [illegible] आशीर्व-
[illegible] अथवा यत्किंचित् येन केनापि
[illegible]रेण तत्रभवतां रुचिसमं यद्भवेत् तदेव प्रेष्य
[illegible]म तस्य पूर्तिः सुसमीचीना स्यात् इति.
[illegible]र्थयन् आशासे शीघ्रमेव लेखनं प्रेषयि
[illegible]ति भवन्तः श्रीमन्तः सहृदयाः।

मया श्रीगोविन्द मिश्र महोदया अपि निवेदिता
आसन् विषये. तेषामपि किंचनोत्तरं नोपलब्ध
[illegible]।

श्रीमतां तत्रभवतां तत्रस्थाः कृपायाः
प्रभावतो हि मयेदं पुस्तकं प्रकाशमागतं
तदस्याः कृपायाः कृते मुहुर्मुहुः धन्यवादान
अर्पयामि।

जगदम्बिका श्रीललिताम्बा श्रीमतां
तत्रभवतां हृदयसरोसिजे निवसतुतराम्।

कृपापत्रमवश्यमेव दातव्यम्

श्रीमता मातेयं [illegible]
[illegible] दर्शनं श्रीमत्पादारविन्द[illegible]ति
इत्यमादयो वार्ता अपि लेख्याः।

श्री पं० बलजिन्नाथ महोदयानां
सेवायां मामकाः प्रणामाः निवेदनीयाः।
श्रीमतां प्रीतिपात्रभूताः सर्वेऽपि जना अस्माकं
वन्दनीया एव सन्तीति हेतोर्यद्यपि उचितोऽस्ति
सकृत् लेखनकालेऽपि बलजिन्नाथान्वन्द
इति समुचितमेवानुचितम्। —

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

देवें। पर महीना २ महीनों मे देवें।
करीब १ मास २५ दिन होगये हैं।
परन्तु उनसे अभी कुछ नहीं मिला है।

उन्हें आपही पत्र द्वारा कुछ लिखकर भेजें तो मेरा कार्य हो। फिर आप की जैसी इच्छा हो वैसा मुझे आदेश देवें।

कार्य बहुत महत्त्व का है और कुल ... अब कागज की पू[र्ति] ... महाराज श्री जी ... आप महानुभावों का सहयोग होने का प्रभाव है।

महाराज श्री जी को पत्र लिखें तब मेरा प्रणाम पहुंचा देवें। इधर की सहानुभूति करावें, अब तो उनके सान्निध्य भी अधिक रत है। कृपा बनाए रखें। कृपापत्र देने का कष्ट करें।

श्रीहरिशास्त्री
जयपुर

१३।८।६२।

अन्तर्देशीय पत्र
INLAND LETTER

POSTAGE 10 nP INDIA

JAIPUR AIR

13-8-62

श्रीमान् मिश्र गोविन्दजी की
सेवामें
"चौबुर्जी"
भरतपुर (राजस्थान)

13/8/62

First fold पहला मोड़

भेजने वाले का नाम और पता :- Sender's name and address

पं० श्रीहरिशास्त्री दाधीच
महन्त गोविन्ददासजी का बाग
म्यूजियम मार्ग पर
जयपुर (राजस्थान)

इस पत्र के अन्दर कुछ न रखिये NO ENCLOSURES ALLOWED

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

॥ श्री: ॥ जयपुर स
१३।८।६२।

श्रीमान् संमाननीय शास्त्रिवर्य। मिश्रगोविन्द महोदयानां सेवायां सप्रश्रयं प्रणतय:।

बहुत दिन होगये है आप महानुभावने इधर की कोई खबर न ली।। पुस्तक श्रीललितासहस्रनाम आप महानुभावों की कृपा के प्रभाव से प्रकाशित हो रही है। १५ फार्म छप चुके हैं ५ बाकी हैं। टाइटल का भी प्रूफ आगया है। जैसा लिख चुका हूं वह तो मेरा प्राक्कथन है।

अब आप श्रीजी से सूचित करें कि आपकी क्या ओर है इस पर कुछ लिखना है भूमिका या सम्मति कोई … इत्यादि जैसा चाहे लिखा जाने … ने की कृपा करें।

… की कृपा पर मैं बहुत मजबूर हूं उनके पर लिखो कितना और क्या किया है के छोटासा १०-१२ पंक्तियों का कोई … प्र- … लिखा है संस्कृत छन्द ६ हैं यह उनको पसन्द होगा कि नहीं कैसे सन्तोष करूं

मेरे लिए तो आप भी उनके परम विश्वसनीय प्रतिनिधि रूप से हैं। आप ही कुछ मुझे बतला दें जो उनको पसन्द हो।।

संशोधन किन किन की कौन लेनी है या अनावश्यक है इसमें बड़े तो बड़े आदमियों की खुशामद भी करना पड़ेगा। दलाली भी करनी पड़ेगी। फिर जैसे महाराज श्री जी चाहें वैसे पेमवाले हम उसमें लगा देंगे। कागज भी बढ़ेगा। खर्चा भी बढ़ेगा इत्यादि सब विचारणीय है।

[तो है आप लगा चाहें लगादें]
ब्लाक फोटो मेरा … महाराज श्री जी का कोई हो तो … उन्हें पसन्द है कि न … ने जान पाया हूं। हां उनके … पुस्तक देखी है प्राय वे अपनी फोटो प्रकाशित करना नहीं चाहते हो तो ऐसा लिखे यदि कोई आपत्ति नहीं है तो ब्लाक बनवा कर भेजो।

मैंने शोधपत्र की बाबत आपसे निवेदन किया था क्या कोई जिक्र आप आया तो क्या आया।

श्रीराजराजेश्वरी जी के लिए आज मुझे कहा देये कि वे २००) रु० तुमको

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

परन्तु आपको पैसे नहीं भेजने के
यह बात नहीं। आपका पत्र जिसको
लड़के ने भेजा है बहुत सुंदर ढंग से
लिखा गया है और मुझे आशा है कि
वे अपनी को अवश्य भेजेंगे, फिर
भी ईश्वर की मर्जी।

राष्ट्र श्लोक का मराठी भाषांतर
भेज रहा हूं। कृपया स्वीकार करें।

पं. मिश्राजी का स्वास्थ्य खराब
होने के कारण वे बिलासपुर से [illegible]
हो गये राजनांदगांव के [illegible]
अपने भाई के पास रहने गये हैं।
यदि वहां आप तो अवश्य स्मरण
दिलाऊंगा। आपने अपने पिछले
पत्र में शुभ ज्योतिष शास्त्र की प्रति
भेजने का कुछ भी उल्लेख नहीं किया।
लाहौर के राजपाल के साथ आने के
[illegible] गये थे विषय आपने

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

ओं

बिक्रमपुर रेल पा.
ता० 23.2.78

पूज्यवर पं शर्माजी
ज्योतिषाचार्य सोलन

मान्यवर महोदय

आपका ता० १६ फरवरी का पत्र मिला। समाचार विदित हुआ। जमीन बारे को इधर ही यहां अपने स्नेह से पधारे व २ दिन के अन्दर आप के वाली खोज करने का प्रयत्न करूंगा और श्री शर्मा जी मन्त्रों के लिये फिर भी स्मरण दिलाऊंगा। कुछ दिन पूर्व मैंने उन्हें स्मरण दिलाया था और उन्हों ने मुझे वायदा भी किया कि अवश्य भेजेंगा। परन्तु अभी तक क्यों नहीं भेजे यह आश्चर्य की बात है। जमीनदारी स्वतन्त्र होने के बाद से उनके उदार हृदय में कुछ चिन्ता अवश्य प्राप्त हुई है यह नित्य के बात चीत से ज्ञात हुआ।

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

...ग रात्रि को पहलगांव पहुंचे गे
और प्रात: ४ को पैदल यात्रातुर हो गये
इस कारण हमें समय थोड़ा हो गया पहले
गांव से सामान इकट्ठा करने का टैंट
~~आदि वस्तुएं पहले ही अच्छे अच्छे~~
~~किराया पर चढ़ गयी है अतः यदि~~
~~कोई आदमी भेजकर निम्नलिखित सामान~~
~~आप [illegible] की कृपा से आपको सुविधा~~
~~होगी । टैंट~~ ~~[illegible]~~
इस [illegible] अपने साथ लाये
गे केवल टैंट [illegible] है
आगा है [illegible] जायेगा ।
मेरे [illegible] राज [illegible]
पता । [illegible] पंडित श्री तथा मेरे पिता
जी तथा [illegible] तथा [illegible] होंगे
[illegible] कुशल है । आदरणीय श्री
बलजिनाथ [illegible]
[illegible] को [illegible]
तुम्हारा सेवक
[illegible]

अन्तर्देशीय पत्र
INLAND LETTER

श्री !
C/o - Pro Baljit nath Pt
प्रोफेसर बलजिनाथ पंडित Near house of haldhar cheero
हलधर चीरु के मकान के पास
अनन्तनाग - (काश्मीर)
Anant Nag (Kashmir)

भेजने वाले का नाम और पता :— Sender's name and address :—
पं० [illegible]
मोगल [illegible] पुरा
दिल्ली १५

NO ENCLOSURES ALLOWED

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

श्री १०८ आचार्य चरणों में

सादर प्रणाम।

पत्र मिला। हमारे आने के बारे में कई प्रोग्राम बदले
पहले वायुयान का प्रोग्राम बना - फिर रेलगाड़ी में सीट
रिजर्व करवाई परन्तु एक बम विस्फोट हो गई और
सीट कैंसल करवाई, कुल १० रुपये के प्राइवेट सवारी जिसमें
एक ... के आस पास की ... देवी ज्वाला जी
कांगड़ा वगैरा। एक दिन का प्रोग्राम था ~~...~~
परन्तु आज अचानक ... है फिर ... टूट गई और कल
दुबारा ... करना ... रेल ... हो आज ... और
... से सोच ... नाथ पहुंच ... एक
... को चलना ... पहले ... को विचार
रहते हैं आपके ... मेरे पास होंगे अतः आपके
पास आने में कोई दिक्कत नहीं होगी - बस का बाजार
से ३० सवारी हो गई थी। परन्तु ... बार ...
केवल हमारे साथ होंगी बाकी १८ ... बसें ... हैं
... आज चलना ... एक ... हो ...
इस ... का पूरा ... करके ... और ...
आपकी आज्ञानुसार ऐसा ही किया जायेगा
... कुछ आपने ... नहीं आये।
... का एक दिन टेलीफून आया था परन्तु मैं था नहीं ~~...~~
मेरे सहायक ने सुना था "कल ... चलना ...
जाऊंगा - आप ने कोई वस्तु यहां से मंगवानी हो
तो लिख देना आऊं

आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं यह पढ़कर चिन्ता हो गई है वह बिमारी का
योग तथा ... होने वाला है ... अधिक ... रहेगा।
कुछ दिन विश्राम करेंगे तो ... स्वास्थ्य ... होगा।

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

पूज्य श्री [illegible] आचार्य [illegible]

श्री आचार्य [illegible]
कृपा [illegible]

मेरे साथी यात्रियों से मेरा काश्मीर जाना पक्का तय नहीं हुआ। थोड़े दिनों में आपके चरणों के लिए पत्र द्वारा सूचना दूंगा। क्या है सीधे जम्मू से अनन्तनाग को बस मिल सकती है अथवा श्रीनगर से होकर - आप को हम कहां दर्शन करें क्या आप श्रीनगर तक हमारे साथ चलने की कृपा [illegible] के लिये यहां से कुछ लाना [illegible] लिखें

[illegible] लालमनाथ तथा अन्य [illegible] को जयशंकर - आशा है होने वाली हड़ताल इधर काश्मीर में कोई बाधा नहीं डालेगी - [illegible] चौबारा मुकम्मल तैयार हो गया है [illegible] के नीचे लोहे के जंगले तक दरवाजे खिड़कियां लगा दिये हैं अन्य सब कुशल है आपकी कृपा दृष्टि से सब मंगल है अपने [illegible] के बारे में कोई आज्ञा मंगवानी हो तो लिखें

सेवक - त्रिगुणा।

अन्तर्देशीय पत्र
INLAND LETTER

सेवा में "श्री"
C/o Anantnag
प्रोफेसर श्री [illegible] पंडित
अनन्तनाग कालेज
अनन्तनाग (काश्मीर)

भेजने वाले का नाम और पता :- Sender's name and address :-
मास्टर भगवान दास
C/o
[illegible] त्रिगुणा [illegible] रोड
[illegible] 14

8 II 60

इस पत्र के अन्दर कुछ न रखिये NO ENCLOSURES ALLOWED

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

पूज्य श्री १०० [illegible] गुरुदेव !

साष्टांग प्रणाम।

पत्र मिला। आपने स्वा[...] के ठीक न रहने का जो लिखा
है तो साधारण ही है या [...]रोग कोई उपद्रव तो नहीं हो गया?
वापसी उत्तर देने ताकि वैद्य जी से डाक्टर से लिखें"
गाड़ी पर 1300 रुपया और खर्च किया है पानी टाईर नये डलवाये
हैं आशा है आप की आशीः से ठीक चलती रहेगी
पं. ईश्वर देव बटेरामपुर गये थे अपनी अंगूठी बनवा लाये
हैं वत्सला जी की बनवाने निकल गई थी अतः नहीं
बन सकी - ताला गढ़ से नन्द लाल गोयल जी आ कर अपनी
अंगूठी बनवा कर ले गये हैं। कैलाश का स्वास्थ्य अच्छा न
होने के कारण वत्सला जी की अंगूठी देकर [illegible] को
अगले मुहूर्त से करो राम ने कहा है कि बना दूंगा।
बांकेलाल अगले पं एक हॉस्पिटल पर लग गया है। वैद्य जी
अपने साथियों से [illegible] कर रहे हैं थोड़े दिनों में
पक्का ... को भेजेंगे वे कपड़ा तथा अन्य
सब आवश्यक सामान ... आदि जो
वत्सला जी की अंगूठी बनवा[...] तो बन गो होगा पहननी हो
ऐसा मुहूर्त चाहिये यदि [...] तो वत्सला जी को स्वयं
बता जाना चाहिये।..

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

Sadhana Grandha Mandali, Tenali.
Founder : 'Vidwan' BULUSU SURYAPRAKASA SASTRY.
Estd: 1945.

D/ 24/5/ 1968

सप्रेम हरिस्मरणम्

श्रीश्रीश्री महामहिम अमृतवाग्भवाचार्याणां
दिव्यसन्निधौ साधनग्रन्थमण्डली व्यवस्था
पको बुलुसु सूर्यप्रकाशशास्त्री साष्टाङ्ग
दण्डप्रणामशतपुरस्सरं विनीतो विज्ञापयते -

तत्रभवतां अमृतवाग्भवां परशुराम
स्तुतिं श्रीश्रीश्री अवधूतेन्द्र सरस्वती श्रीचरणाना
माज्ञानुसारेण। आन्ध्रयां तात्पर्येण साकं मुद्राप्य
पञ्चविंशति पुस्तकानि भवतां सकाशं प्रापयामि
यदि भवद्भिरतोऽधिकानि पुस्तकान्यपेक्ष्यन्ते
अनुगृह्यता ~~माज्ञा~~ माज्ञा।

पूज्यपादाः अवधूतेन्द्र सरस्वती
स्वामिनः मौनेन विश्रान्ति मनुभवन्ति।
मासार्धपर्यन्तं विश्रान्त्या स्थीयतामिति
भिषजां वचः। श्रीचरणानां आशिषः
प्रार्थये।

श्रीचरणानामन्तेवासी
बु. सू. शास्त्री.

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

प्रभु, आपके दर्शन से मेरे को बहुत लाभ मिला,
शिवा, अवश्य मैं आपके आदेशानुसार, अधिक समय
वासुदेव, विश्रान्ति लेलुंगा।

दया दृष्ट्या पश्य निज तनय मा(मी) कुरु शिव॥

भौतिक संपत्ति के साथ आध्यात्मिक संपत्तीभी
श्री परबे जी इकट्ठा कररहे है। बडी कृपा भगवान
की है उनपर, सुधाकर प्रकाश और अरुण
उनकी मातराम और सब माताओं को मेरा नारायण
स्मरण, और भगवान परशुराम जी के चरणों में
मेरा अनंतानंत प्रणाम है।

प्रभु! शिव! वासुदेव, श्रीरमण महर्षि जी के
शिष्य मिलेथे। वे जरूर आपका दर्शन करेंगे
अभी इसलिये मचिली बंदर में हैं।

आपका
अवधूत... सरस्वती स्वामी

सोमवार
23.8.63

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

जयति जगन्मंगलं हरनाम

श्री श्री श्री अमृत वाग्भवाचार्य जी के चरण कमलों में
ओं नमो नारायण।

महात्मा, परशिव, वासुदेव, सत्तामात्र,
सम्भो विहित शरणं त्वच्चरण यो:.....
दया दृष्टया पश्य निजतनयं मात्मी उरु शिव॥

२१ ता. सुबह १२ बजे पहुंचा था। उस दिन रातमें
कार्यक्रम परमशिवानुग्रहसे मंगलमय संपूर्ण हुआ।
परंतु - २२ को मद्रास नहीं जासका पूना
से सिकिंदराबादवाली गाड़ी लेट में पहुँची थी उसकारण
वहाका टिकट वापस करके टेक्सी से विजयवाड़ा
जाकर उसी गाड़ी को पकड़कर - उस गाव पहुंचा था
पौने दो सौ मील टेकसीमें जाने से शरीर-थक गया। मद्रास का टिकट
भी वापस करके यहां एक हफ्ते के लिये रहगया
रामदास अपनी माता जी के यहां चलगये।

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

C/o Meena Biscuit-co
Bhimavaram
W. G. Dt-
A.P

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri